INS ACCREDITED
यूनिकॉम
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-69 | सांध्य दैनिक | मथुरा, बुधवार, 6 मई 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

वेकमेट इंडिया ने सौंपे 20 करोड़ रुपये के उपकरण

पुलिस हाईटेक : 280 कैमरों से होगी हर हरकत पर नजर

यूनिक समय मथुरा। वेकमेट इंडिया लिमिटेड के द्वारा कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉसिबिलिटी फंड के द्वारा मथुरा पुलिस को 192 एएनपीआर युक्त सीसीटीवी कैमरे 48 लॉकेशन पर तथा लाइव सर्विलांस एंड डाटा एनिलाइटिक युक्त केंद्रीयकृत सीसीटीवी कंट्रोल रूम जिसकी लागत 20377.788 रुपये है जिसे पुलिस लाइन में आयोजित कार्यक्रम में क्रेन और फायर टेंडर को भी कंपनी के डायरक्टरों ने सौंपा।

आज पुलिस लाइन में आयोजित कार्यक्रम में वेकमेट इंडिया लिमिटेड के डायरेक्टर्स राज नारायण अग्रवाल, नितिन अग्रवाल अग्रवाल तथा राहुल अग्रवाल द्वारा इंडस्ट्रियल फॉर्म टेंडर वाहन तथा हेवी ड्यूटी लिफ्ट क्रेन की सांकेतिक चाबी अपर पुलिस महा निदेशक अगरा जोन अनुपम कुलश्रेष्ठ,

पुलिस लाइन में आयोजित कार्यक्रम में वेकमेट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर पुलिस अधिकारियों को आधुनिक उपकरणों को सौंपते हुए।

डीआईजी शैलेश कुमार पांडे को मथुरा पुलिस को सौंपी गई और हरी झंडी दिखाकर वाहनों को रवाना किया गया। लाइव सर्विलांस व डाटा एनालिटिक्स युक्त सेंट्रलाइज्ड सीसीटीवी कंट्रोल रूम का भी उद्घाटन भी आज एडीजी और डीआईजी द्वारा किया गया। इस हाईटेक कंट्रोल रूम में वर्तमान में लगे 48 व पूर्व से लगे हुए 22 लोकेशन कुल 70 लोकेशन के 280 कैमरे कनेक्ट किए गए हैं। यह कैमरे ऑटोमेटिक नंबर प्लेट रीड करते हैं। चोरी गए या अन्य संदिग्ध वाहनों को सॉफ्टवेयर ब्लैक लिस्ट में डाल लेता है, किसी चौराहे पर ऐसे वाहन के निकलने पर कंट्रोल रूम को तत्काल अलर्ट देगा। केमरा 200 किलोमीटर तक की रफ्तार से भी वाहनों के नंबर को रीड कर लेता है। फायर टेंडर

रुकेगी वाहनों की चोरी और दुर्घटनाओं पर लगेगा अंकुश

केमिकल व पेट्रोलियम से लगी हुई आग को भी बुझाने में सक्षम है। हेवी ड्यूटी लिफ्ट क्रेन रास्ते को बाधित करके खड़े हुए वाहनों को हटाने में सक्षम है। पुलिस लाइन सभागार में उक्त उपकरणों की विशेषताओं से संबंधित पॉवरप्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से सुरेश चंद्र रावत अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण द्वारा प्रस्तुतीकरण किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मथुरा द्वारा वेकमेट इंडिया लिमिटेड की टीम को मथुरा पुलिस को ये संसाधन उपलब्ध कराए जाने के लिए धन्यवाद देते हुए सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया।

वृंदावन में पुलिस की गिरफ्त में आई गैंग की पांच महिलाएं

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। सावधान.. यदि आप मंदिरों की नगरी में दर्शन करने आ रहे हो और आपके आसपास कोई महिला मंडरा रही हो तो सतर्क हो जाएं। हो सकता है उस संदिग्ध महिलाओं की नजर आपके गले की जंजीर, मंगलसूत्र, लाकेट, हाथ में लगे मोबाइल और पर्स पर हो। मौका लगते ही वह आपकी इस वस्तुओं को पार भी नौ दो ग्यारह हो जाए। इन लाइनों का उल्लेख इसलिए कर रहे हैं कि वृंदावन कोतवाली पुलिस ने अंतरराज्यीय गिरोह के छह सदस्यों को सुनरख के कच्चे रास्ते से गिरफ्तार किया है।

मंदिरों के आसपास देती थीं वारदातों को अंजाम

इसमें पांच महिलाएं भी शामिल हैं। पकड़े गए आरोपी कर्नाटक राज्य के रहने वाले हैं। इनके कब्जे से चोरी के 10 मोबाइल फोन बरामद हुए हैं। कोतवाली पुलिस को सूचना मिली थी कि रशियन बिल्डिंग चौराहे के समीप कुछ संदिग्ध लोग चोरी के मोबाइल बेचने की फिराक में खड़े हैं। पुलिस ने घेराबंदी कर एक पुरुष और पांच महिलाओं को पकड़ लिया। आरोपियों की पहचान कर्नाटक निवासी मारुति, प्रियंका, रक्षिता, शोभा, नवीना, शांता के रूप में हुई है। आरोपियों ने बताया कि वह प्रेम मंदिर और अन्य मंदिरों में भीड़ का फायदा उठाकर श्रद्धालुओं के मोबाइल चोरी करते थे। इनकी पकड़ से ही अंदाज लगाया जा सकता है कि मंदिरों की नगरी में महिलाओं का गिरोह सक्रिय है। वह पलक झपकते ही माल पार कर देता है। दूसरी ओर यह भी आशंका उठ रही है कि कहीं दूसरे राज्यों की महिलाएं पाकिस्तान की एजेंट बनकर किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने में न जुट जाएं। अब लोगों को ही नहीं बल्कि पुलिस को भी सतर्क रहना होगा। समय–समय पर चेकिंग अभियान चलाकर संदिग्ध लोगों से पूछताछ करनी होगी।

विजिलेंस की जांच के दायरे में बिजली विभाग

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा/लखनऊ। प्रदेश में बिजली विभाग और उससे जुड़ी संस्थाओं में भ्रष्टाचार पर शिकंजा कसने की तैयारी तेज हो गई है। शासन ने यूपी पॉवर कॉरपोरेशन लिमिटेड, पॉवर सेक्टर और उससे संबद्ध संगठनों के कर्मचारियों के खिलाफ प्राप्त भ्रष्टाचार संबंधी शिकायतों की जांच सतर्कता विभाग से कराने के निर्देश जारी किए हैं।

मुख्य सचिव एसपी गोयल ने मुख्य सचिव सतर्कता विभाग को जारी आदेश के अनुसार, बिजली चोरी रोकने के लिए पहले से गठित विशेष पुलिस थानों की व्यवस्था के साथ–साथ अब कर्मचारियों की कार्यप्रणाली और संपत्ति पर भी नजर रखी जाएगी। खासतौर पर आय से अधिक संपत्ति और भ्रष्टाचार से जुड़े मामलों की गहन जांच कर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। मथुरा सहित प्रदेश के 75 जिलों में पहले ही बिजली चोरी रोकने के लिए विशेष पुलिस थानों की स्थापना की जा चुकी है। अब इन व्यवस्थाओं को और प्रभावी बनाते हुए सतर्कता विभाग को जांच की जिम्मेदारी दी गई है, जिससे कार्रवाई में पारदर्शिता लाई जा सके।

भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी और वित्तीय अनियमितताओं से जुड़े मामलों में प्रत्येक शिकायत की गहन और सूक्ष्म जांच कराई जाएगी। आवश्यक होने पर आपराधिक कार्रवाई भी सुनिश्चित की जाएगी।

भ्रष्टाचार पर सख्ती सतर्कता विभाग को जांच के आदेश

ऊर्जा विभाग के कर्मचारियों की संपत्ति की होगी जांच

बिजली चोरी से जुड़े मामलों पर कड़ा एक्शन

बिजली वितरण कंपनियों और निजी फ्रेंचाइजी से जुड़े आंकड़ों के आदान–प्रदान और निगरानी की प्रक्रिया को भी सख्त किया गया है। बिजली आपूर्ति, खर्च और वितरण से जुड़े आंकड़े नियमित रूप से साझा किए जाएंगे, जिससे गड़बड़ियों का जल्द पता लगाया जा सके। शासन ने साफ किया है कि यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा और सभी संबंधित विभागों को इसका सख्ती से पालन करना होगा।

ऊर्जा क्षेत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने के लिए सरकार का यह कदम अहम माना जा रहा है। सतर्कता जांच के जरिए भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने और बिजली व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में यह एक बड़ा प्रशासनिक संकेत है।

चिंता क्या एआई हमारी सोच छीन रहा है?

एआई से कमजोर हो रही है इंसानी सोच

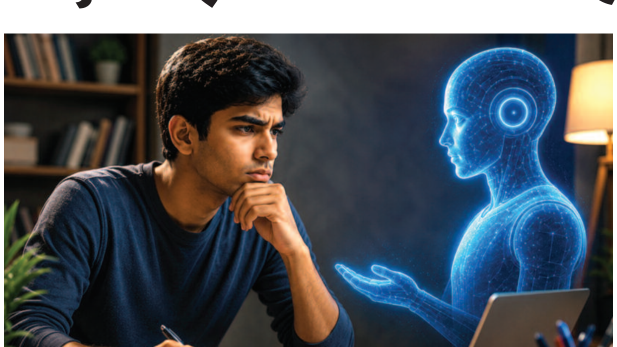

यूनिक समय, मथुरा। आज के दौर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का अहम हिस्सा बन चुका है। शादी की स्पीच लिखने से लेकर इनकम टैक्स रिटर्न भरने और भावनात्मक समस्याओं से उबरने तक–हर काम में एआई हमारी मदद कर रहा है। लेकिन सवाल यह उठता है कि क्या यह सुविधा धीरे–धीरे हमारी सोचने की क्षमता को कमजोर कर रही है?

विशेषज्ञों के अनुसार, एआई अब सिर्फ एक साधारण टूल नहीं रहा, बल्कि यह हमारे मानसिक जीवन में गहराई से दखल दे रहा है। पहले हम डायरी, कैलकुलेटर या नक्शों जैसे साधनों का इस्तेमाल करते थे, जो केवल सहायता करते थे–सोचना हमें ही पड़ता था। लेकिन एआई एक कदम आगे जाकर अब विश्लेषण, निर्णय और

‘मानसिक घुसपैठ’ का बढ़ता खतरा

स्मार्ट यूजर बनें, एआई के गुलाम नहीं

सुविधा या मानसिक निर्भरता? एआई का दूसरा चेहरा

रचनात्मकता जैसे कार्य भी अपने हाथ में ले रहा है। वैज्ञानिक इसे "कॉग्निटिव क्रीप" यानी मानसिक घुसपैठ मानते हैं। "कॉग्निटिव सरेंडर" एक और चिंताजनक स्थिति है, जिसमें लोग बिना सोचे–समझे एआई के जवाबों पर भरोसा करने लगते हैं। शोध बताते हैं कि कई पेशेवर, जैसे वकील, एआई की गलतियों से वाकिफ होने के बावजूद उसी पर निर्भर रहते हैं। इससे धीरे–धीरे उनकी अपनी निर्णय क्षमता कमजोर होती जाती है।

इसके अलावा, विशेषज्ञ बनने की प्रक्रिया भी प्रभावित हो सकती है। किसी भी क्षेत्र में महारत हासिल करने के लिए गहन अभ्यास और अनुभव जरूरी होता है। यदि लोग शुरुआत से ही एआई पर निर्भर हो जाएंगे, तो उनके भीतर गहराई से सीखने और समझने की क्षमता विकसित नहीं हो पाएगी।

हालांकि, एआई का उपयोग गलत नहीं है, लेकिन संतुलन जरूरी है। सबसे पहले खुद सोचने की आदत डालें, फिर एआई से सहायता लें। एआई को "सहयोगी" बनाएं, न कि "निर्णय लेने वाला।" साथ ही, अपनी पहचान और रचनात्मकता से जुड़े कामों को खुद ही करना बेहतर है। अंततः एआई एक शक्तिशाली साधन है, लेकिन इसका सही उपयोग ही हमारी सोच और क्षमता को सुरक्षित रख सकता है।

जनगणना 2027- कल से शुरू होगी स्वगणना

पहले दिन सांसद, विधायक करेंगे स्वगणना

यूनिक समय, मथुरा। कल से जनगणना-2027 के अंतर्गत स्वगणना का काम शुरू होगा, इसी के साथ करीब 16 साल बाद जनगणना शुरू हो जाएगी। पहले ही दिन नागरिकों के साथ सांसद, विधायक और अन्य जनप्रतिनिधि भी जनगणना पोर्टल पर फार्म भरेंगे। जनगणना के इस काम के लिए डीएम ने सभी एसडीएम, तहसीलदार और ईओ को जिम्मेदारी दी है। जनगणना के इस काम की शुरुआत जिला मुख्यालय पर सांसद हेमामालिनी आदि से होगी।

सात मई से करीब 16 साल बाद जनगणना का काम शुरू होने जा रहा है। जनगणना के प्रथम चरण की प्रक्रिया में मकान सूचीकरण और आवास गणना के अंतर्गत स्व- गणना का काम शुरू होगा। नागरिक स्वयं भी पोर्टल पर जाकर अपनी जानकारी दर्ज कर सकेंगे। इसके लिए नागरिकों को आधिकारिक जनगणना पोर्टल पर जाकर मोबाइल नंबर से पंजीकरण कराना होगा। इसके बाद यूनिक आईडी मिलेगी, इस आईडी का उपयोग कर व्यक्ति अपने परिवार का विवरण भर सकेगा। डाटा भरने के बाद एक रसीद मिलेगी, जिसे बाद में घर आने वाले प्रगणक को दिखाना होगा। डीएम सीपी सिंह ने बताया कि सात मई से जनगणना का पहला चरण शुरू होगा, नागरिक स्वगणना करके राष्ट्रीय कार्यक्रम में भागेदारी निभाएं।

जनगणना को लेकर हुई बैठक की अध्यक्षता करते डीएम सीपी सिंह।

कलेक्ट्रेट और सभी तहसीलों में होंगे कार्यक्रम

स्वगणना के लिए जिला और तहसील स्तर पर कार्यक्रम होंगे, जिनमें सांसद, विधायक और अन्य जनप्रतिनिधि सहभागिता करेंगे। जिला स्तर पर स्वगणना का कार्यक्रम कलक्ट्रेट स्थित सभागार में होगा, जहां सांसद हेमामालिनी, जिला पंचायत अध्यक्ष किशन चौधरी, डीएम, एसपी, सीडीओ, एडीएम आदि शामिल होंगे । जिला स्तर पर यह काम मास्टर ट्रेनर के सहयोग से होगा। इसके अलावा सदर तहसील, छाता तहसील, गोवर्धन तहसील, मांट तहसील, महावन तहसील में भी सुबह 11 बजे स्वगणना का काम होगा, जिसमें संबंधित विधायक और एसडीएम शामिल होंगे।

वहीं कलेक्ट्रेट में आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने जानकारी दी कि उत्तर प्रदेश में 7 मई से 21 मई तक आम नागरिक स्व–गणना पोर्टल के जरिए ऑनलाइन अपनी जानकारी दर्ज कर सकेंगे। इसके बाद 22 मई से 20 जून तक मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य संपन्न कराया जाएगा।

उन्होंने बताया कि जनगणना–2027 को इस बार पूरी तरह डिजिटल और आधुनिक तकनीक के माध्यम से मोबाइल एप के जरिए संचालित किया जाएगा, जिससे पारदर्शिता और सटीकता सुनिश्चित हो सके। उन्होंने बताया कि पहले चरण में हाउस लिस्टिंग व मकानों की नंबरिंग, जबकि दूसरे चरण में जनसंख्या गणना की जाएगी।डीएम ने कहा कि इस बार पहली बार नागरिकों को स्व–गणना का विकल्प दिया गया है, जिसमें 33 प्रश्नों के उत्तर भरने होंगे। यह प्रक्रिया नागरिक स्वयं, परिवार के सदस्य या जन सेवा केंद्र के माध्यम से पूरी कर सकते हैं। जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि सभी कार्य निर्धारित समयसीमा में त्रुटिरहित और गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरे किए जाएं। बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व डॉ. पंकज कुमार वर्मा, अपर जिलाधिकारी प्रशासन अमरेश कुमार, अपर नगर आयुक्त अनिल कुमार, नगर मजिस्ट्रेट अनुपम कुमार मिश्रा, परियोजना निदेशक डीआरडीए अरुण कुमार उपाध्याय, वरिष्ठ कोषाधिकारी अतुल पाण्डेय, जिला विकास अधिकारी गरिमा खरे, उप जिलाधिकारी छाता वैभव गुप्ता, उप जिलाधिकारी मांट दीपिका मेहर, उप जिलाधिकारी महावन ऊषा सिंह, उप जिलाधिकारी गोवर्धन सुशील कुमार, जिला कमांडेंट होमगार्ड्स डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी नगेन्द्र पाल सिंह, जिला क्रीड़ा अधिकारी राकेश कुमार यादव सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

सात से 27 मई तक ऑनलाइन पोर्टल पर नागरिक खुद भर सकेंगे विवरण

डीएम ने अधिकारियों के साथ बैठक ली

पहले चरण में होगा मकान सूचीकरण और आवास गणना का स्वगणना काम

मथुरा जंक्शन पर टिकट निरीक्षक विपिन कुमार यादव का उत्कृष्ट प्रदर्शन

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा जंक्शन पर कार्यरत टिकट निरीक्षक विपिन कुमार यादव ने पूर्ण निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ टिकट जांच अभियान चलाते हुए एक दिन में 76 बिना टिकट और अनियमित रूप से यात्रा कर रहे यात्रियों पर दंडात्मक कार्रवाई की। इस कार्रवाई में कुल 58,470 रुपये का रेल राजस्व अर्जित किया, जो उनकी कर्तव्यनिष्ठा, सतर्कता एवं कार्य के प्रति समर्पण को दर्शाता है। यह उपलब्धि न केवल कर्मचारी की व्यक्तिगत मेहनत का परिणाम है, बल्कि सीटीआई प्रभारी नागेन्द्र तिवारी द्वारा अपने अधीनस्थ स्टाफ को रेल आय अर्जन के लिए दिए गए प्रभावी मार्गदर्शन एवं काउंसिलिंग का भी प्रतिफल है।

मथुरा-कोटा-नागदा में अब बिछेगी दो और अतिरिक्त रेलवे लाइन

पीएम–गति शक्ति योजना में मथुरा को बड़ी सौगात

मालगाड़ियों और यात्री ट्रैफिक दोनों को मिलेगी राहत

धार्मिक पर्यटन और औद्योगिक परिवहन को मिलेगा फायदा

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा। पीएम–गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के तहत भारतीय रेलवे ने मथुरा–कोटा–नागदा रेलखंड पर तीसरी और चौथी रेल लाइन बिछाने की महत्वाकांक्षी परियोजना को मंजूरी दे दी है। रेलवे बोर्ड की स्वीकृति के बाद अब 568 किलोमीटर लंबे इस महत्वपूर्ण रेल कॉरिडोर के विस्तार का रास्ता साफ हो गया है। दिल्ली–मुंबई मुख्य रेल मार्ग का अहम हिस्सा माने जाने वाले इस खंड पर वर्तमान में भारी यात्री और माल यातायात का दबाव है। दो लाइनों पर लगातार बढ़ते ट्रैफिक के कारण ट्रेनों की देरी, परिचालन बाधाएं और गति प्रभावित होने जैसी समस्याएं सामने आती रही हैं। नई तीसरी और चौथी लाइन बनने से रेलवे नेटवर्क की क्षमता में बड़ा इजाफा होने की उम्मीद जताई जा रही है।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार परियोजना का उद्देश्य केवल ट्रेनों की संख्या बढ़ाना नहीं, बल्कि पूरे उत्तर भारत और पश्चिम भारत के बीच कनेक्टिविटी को अधिक सुगम बनाना भी है। इससे मथुरा–वृंदावन जैसे धार्मिक पर्यटन स्थलों तक पहुंच बेहतर होगी, जबकि राजस्थान के औद्योगिक क्षेत्रों से होने वाली माल ढुलाई को भी अतिरिक्त गति मिलेगी। यह परियोजना भविष्य की बढ़ती रेल मांग को ध्यान में रखकर तैयार की गई रणनीतिक योजना का हिस्सा है। अतिरिक्त रेल लाइनें बनने से मालगाड़ियों और यात्री ट्रेनों के लिए अलग परिचालन क्षमता विकसित हो सकेगी, जिससे औसत गति बढ़ेगी और दुर्घटना जोखिम भी कम होगा। ब्रज क्षेत्र के संदर्भ में यह फैसला इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि हाल ही में बड़े धार्मिक आयोजनों के दौरान भीड़ प्रबंधन और जनसुरक्षा को लेकर व्यवस्थाओं पर विशेष जोर दिया जा रहा है। बेहतर रेल नेटवर्क त्योहारों के समय श्रद्धालुओं की आवाजाही को अधिक व्यवस्थित बनाने में सहायक हो सकता है।

वेस्ट सेंट्रल रेलवे ने भी परियोजना की पुष्टि करते हुए इसे क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया है। हालांकि परियोजना की लागत, निर्माण समय–सीमा और चरणबद्ध कार्य योजना का विस्तृत खाका अभी जारी होना बाकी है।

तापमान / मौसम

32 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

22 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना-चांदी भाव

सोना

24 कैरेट 1,51,230

22 कैरेट 1,39,700

(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी

2,55,000 प्रति किलो

आपातकालीन सेवाएं

112 -आपातकालीन सेवा
1962 - रेलवे हेल्पलाइन
100 - पुलिस
108 - एंबुलेंस (स्वास्थ्य सेवा)
102 - एंबुलेंस (मातृ एवं शिशु सेवा)
101 - अग्निशमन (फायर ब्रिगेड)
1090 - महिला हेल्पलाइन
1091 - महिला पुलिस सहायता
1098 - चाइल्ड हेल्पलाइन
104 - स्वास्थ्य सलाह सेवा
1076 - मुख्यमंत्री हेल्पलाइन
1033 - राष्ट्रीय राजमार्ग आपात सेवा
1073 - सड़क दुर्घटना आपात सहायता

नगर निगम

1533 - नगर निगम संपूर्ण शिकायत हेल्पलाइन
14420 – सीवर सफाई के लिए
18003094747- टोल–फ्री हेल्पलाइन (कॉमन सिटी शिकायत)
0565-2503632 - नगर निगम कार्यालय फोन (नियमित शिकायत)

बिजली शिकायत

1912- (बिजली कटौती, फॉल्ट, लो वोल्टेज, बिल से जुड़ी शिकायतें) वाट्सऐपः 8010957826

यूनिक समय
स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।
कार्यालयः- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।
संपादक-पवन गौतम
फोन नंबर-0565-2420150,
मो. 9837155888
E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28
सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

मुठभेड़ में दो लुटेरों को लगी गोली, सिपाही भी घायल

यूनिक समय, मथुरा। कोसीकलां पुलिस की लूट पाट करने वाले बमदमाशों से आज तड़के मुठभेड़ हो गई। दोनों के बीच हुई मुठभेड़ में दोनों लुटेरे गोली लगने से घायल हो गए। वहीं एक सिपाही भी घायल हो गया। पुलिस ने घायलों को अस्पातल में भर्ती कराया है। पुलिस ने मुठभेड़ स्थल से तमंचा, कारतूस और बाइक भी बरामद की है।

एसएसपी श्लोक कुमार ने घटना के बारे में बताया कि दो दिन पूर्व बाइक सवार लूटेरों ने कोसीकलां में घर जाती

महिला से दिनदहाड़े लूट ले गए थे कुंडल

तमंचा, कारतूस और लूटे गये कुंडल बाइक बरामद

एक वृद्ध महिला के कान के कुंडल लूट लिए थे। इस घटना में महिला घायल हो गई थी जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया था। लुटेरों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमें लगाई गई थीं। आज तड़के लूट की घटना में शामिल लुटेरों के बारे में कोसीकलां पुलिस को जानकारी मिली। पुलिस टीम को न्यू कामर रोड तिराहे के समीप दहगांव को जाने वाले कच्चे रास्ते पर बाइक से आते दो लुटेरे दिखाई दिए। पुलिस को देख कर बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस पर बदमाशों द्वारा छह राउंड फायर किए गए। पुलिस ने भी जवाब में गोली चलाई। पुलिस की गोली से दोनों बदमाश घायल हो गये और गिर गए। मौके से पुलिस ने घायल लुटेरे दुष्यंत व सौरभ उर्फ सुरेंद्र निवासीगण गडिया मोहल्ला थाना होडल जिला पलवल को गिरफ्तार किया है। तलाशी के दौरान इनसे महिला का लूटा गया कुंडल और तमंचा-कारतूस तथा लूट की वारदात में प्रयुक्त की गई बाइक भी बरामद हुई है। मुठभेड़ के दौरान सिपाही राकेश के हाथ में भी गोली लग गई जिससे वह घाययल हो गया। घायलों को पुलिस ने अस्पताल में भर्ती कराया है।

भाई ने कराई भाई से दो लाख 70 हजार की लूट

यूनिक समय, मथुरा। राजस्थान से रजिस्ट्री कराकर मांट के लिए बाइक से लौट रहे भाई और भाभी को भाई ने ही लुटवा दिया। भरतपुर रोड पर बाइक सवार उनका थैला छीन कर भाग गए। थैले में 2 लाख 70 हजार रुपये थे। पुलिस ने दोनों लोगों को गिरफ्तार कर लूट के 2 लाख 10 हजार रुपये बरामद कर लिए हैं।

सीओ रिफाइनरी ने इस बारे में बताया कि कुम्हेर के रहने वाले चौहान सिंह करीब 25 साल से थाना मांट के गांव नगला भूरा में परिवार के साथ रह रहे हैं।

इसकी एक जमीन कुम्हेर में थी। कल वह इस जमीन की रजिस्ट्री अपने भाई बीरेंद्र सिंह के नाम करने के लिए अपनी पत्नी सुशीला के साथ गए थे। रजिस्ट्री करने के बाद मिली दो लाख 70 हजार रुपये की रकम को लेक चौहान सिंह पत्नी के साथ बाइक से गांव के लिए लौट रहे थे। भरतपुर रोड

जमीन का कराया बैनामा, लौटते रास्ते में लुटवाया

पुलिस ने लुटेरों को किया गिरफ्तार

पर थाना हाईवे क्षेत्र में बाइक सवार दो युवक महिला से थैला छीन कर भाग गए। इस मामले में चौहान सिंह ने अपने भाई बीरेंद्र सिंह के खिलाफ लूट की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने इस मामले में बीरेंद्र सिंह को हिरासत में लेकर जानकारी की तो लूट की घटना पूरी तरह से खुल गई। लूट करने वाला कोई और नहीं उनका भतीजा दशरथ और उसका साला जयप्रकाश हैं। पूलिस ने लूट की वारदात को अंजाम दने वाले दोनों लुटेरों को गिरफ्तार कर लूट के दो लाख दस हजार रुपये बरामद कर लिए हैं।

छाता में नए न्यायिक अधिकारियों का स्वागत

हर पीड़ित बृजवासी को उचित और सुलभ न्याय मिले-अधिवक्ता

छाता बार एसोसिएशन के कार्यक्रम में न्यायिक अधिकारी अधिवक्ताओं के साथ।

यूनिक समय, छाता (मथुरा)। बार एसोसिएशन के बैनर तले आयोजित सम्मान समारोह में नवागत न्यायिक अधिकारियों का सम्मान किया गया। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेश कुमार पालीवाल, सचिव सुनील कुमार पांडे, ठाकुर ओम प्रकाश सिंह अन्य अधिवक्ताओं ने नवागत सीनियर डिवीजन जज गौरव द्विवेदी, जूनियर डिवीजन जज मीनाक्षी बंसल को राधा कृष्ण का चित्रपट भेंटकर माला दुपट्टा पहना कर स्वागत किया।

वरिष्ठ अधिवक्ता ने कहा कि न्यायिक अधिकारियों को ब्रज की पावन भूमि पर सेवा करने का मौका सौभाग्य मिला है। उन्होंने जोर देते

राधा-कृष्ण चित्रपट भेंट कर जजों का किया सम्मान

हुए कहा, "जब आपको धर्म नगरी में सेवा का अवसर मिला है तो यह सुनिश्चित करना आपकी प्राथमिकता होनी चाहिए कि आपकी कलम से हर पीड़ित बृजवासी को उचित और सुलभ न्याय मिले। कार्यक्रम में होतीलाल तिवारी, सुरेंद्र कुमार, एसके वार्ष्णेय, करण कुमार, रोहिंडीश्वर शर्मा, हिरेंद्र सारस्वत, अशोक कुमार, अजय सिंह एवं गिरधारी लाल पचौरी एडवोकेट आदि उपस्थित थे।

मथुरा में भीड़ पर हाईकोर्ट सख्त, मांगा ब्लूप्रिंट

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा। धार्मिक आयोजनों के दौरान मथुरा-वृंदावन में बढ़ती भीड़ और संभावित स्टाम्पेड खतरे को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। कोर्ट ने जिला प्रशासन और मथुरा-वृंदावन विकास प्राधिकरण को पूरे क्षेत्र के लिए विस्तृत "क्राइसिस मैनेजमेंट ब्लूप्रिंट" तैयार कर हलफनामे के साथ प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

मामला स्वामी शिव स्वरूपानंद महाराज की ओर से दायर याचिका से जुड़ा है, जिसमें तोड़फोड़ कार्रवाई को चयनात्मक, मनमाना और भेदभावपूर्ण बताते हुए चुनौती दी गई थी। सुनवाई के दौरान न्यायालय का फोकस केवल निर्माण कार्रवाई तक सीमित नहीं रहा, बल्कि मथुरा-वृंदावन जैसे संवेदनशील धार्मिक शहरों में सार्वजनिक सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन की तैयारियों पर केंद्रित हो गया।

कोर्ट ने कहा कि जन्माष्टमी, होली, दिवाली और बड़े धार्मिक आयोजनों में लाखों श्रद्धालुओं

कोर्ट बोला- स्टाम्पेड रोकने के लिए ठोस तैयारी जरूरी

19 मई तक प्रशासन को दाखिल करनी होगी रिपोर्ट

आपात निकास, मेडिकल सिस्टम और भीड़ नियंत्रण पर मांगा पूरा खाका

की मौजूदगी के कारण स्टाम्पेड जैसी घटनाओं की आशंका लगातार बनी रहती है। ऐसे में प्रशासनिक तैयारी केवल ट्रैफिक व्यवस्था तक सीमित नहीं रह सकती। न्यायालय ने प्रशासन से पूछा है कि आपातकालीन निकास मार्ग, मेडिकल रिस्पॉन्स सिस्टम, पुलिस तैनाती, भीड़ नियंत्रण तकनीक और पूर्व घटनाओं से मिली सीख के आधार पर क्या स्थायी व्यवस्था तैयार की गई है। मामले की अगली सुनवाई 19 मई को होगी।

तीन महीने चले इलाज के बाद भी नहीं बची जान

यूनिक समय, मथुरा। थाना गोविंदनगर के ड्यूक पैलेस के समीप कार की टक्कर से घायल हुए बाइक सवार की करीब तीन महीने बाद इलाज के दौरान मौत हो गई।

थाना गोविंदनगर क्षेत्र में जयसिंहपुरा स्थित वीसी गोयल के निकट रहने वाले राजू खत्री (60) मार्च माह में साड़ी फैक्ट्री में ड्यूटी करने के लिए साईकिल से जा रहे थे। रास्ते में होटल ड्यूक पैलेस के समीप कार ने साईकिल सवार राजू खत्री को

साइकिल से ड्यूटी जाते दुर्घटना में हुए थे घायल

जोरदार टक्कर मार दी थी जिसके चलते वह बुरी तरह से घायल हो गए थे। उनका इलाज जिला अस्पताल में चल रहा था। अस्पताल में इलाज के दौरान आज उनकी मौत हो गई। पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

महिला ने विषाक्त पदार्थ का सेवन कर गंवाई जान

यूनिक समय, मथुरा। थाना मांट के मांट मूला में एक महिला ने विषक्त पदार्थ का सेवन कर लिया जिससे उसकी उपाचर के दौरान मौत हो गई। मांट मूला निवासी हरी सिंह की पत्नी पूनम (36) ने घर पर किसी विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया। पूनम की हालत बिगड़ने पर परिवार में हड़कंप मच गया। पूनम को इलाज के लिए तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मांट पर ले जाया गया। अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस को भी इस बारे में बताया गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने महिला के शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया गया कि उसका पति भरतपुर में ड्यूटी कर रहा था।

मंडी में आवक बढ़ते ही गिर गए सब्जियों के दाम

यूनिक समय, मथुरा। मंडी में आवक बढ़ते ही सब्जियों के दाम भी कम हो गए हैं। एक सप्ताह में दाम कम होने से अब गृहणियां खुश दिख रही हैं। अधिकांश सब्जी केवल 40 रुपये किलो पर ही मिल रही है, केवल बैंगन ही नखरे दिखा रहा है, जो साठ रुपये किलो में बिक रहा है। दाम कम होने का सीधा लाभ अब जेब को मिल रहा है। एक सप्ताह पहले तक फूल गोभी का भाव 60 से 80 रुपये किलो तक

अधिकांश सब्जी बाजार में मिल रही हैं 40 रुपये किलो

बैंगन पर नजर आ रही महंगाई, हरा धनिया होने लगा कम

था, जबकि टिंडा भी नखरे दिखा रहा था। बैंगन भी 40 रुपये किलो तक बिक रहा था। अब मंडी में सब्जियों की आवक बढ़ते ही अधिकांश सब्जियों के दाम कम हो गए हैं।

बुधवार को फूल गोभी का भाव 40 रुपये किलो रहा, जबकि हरी मटर 80 रुपये किलो बिकी। वहीं, शिमला मिर्च 40 रुपये और कटहल भी इसी भाव पर बिकी। टमाटर की आवक भरपूर होने से इसके भाव भी 20 रुपये किलो पर बने हुए हैं। हर थाली में सज रहा खीरा भी 20 रुपये किलो में खूब बिक रहा है। कम आवक की वजह से हरा धनिया कुछ मंहगा हो गया है। लौकी, काशीफल तो 20 रुपये बोले जा रहे हैं। अरबी और भिंड़ी का भाव 40 रुपये पर आ गया है। सब्जी की दुकान संचालित करने वाले राकेश ने बताया कि इन दिनों मंड़ी में सब्जी की आवक अधिक हो रही है, इससे भाव कम हो गए हैं।

गृहणियों की बात

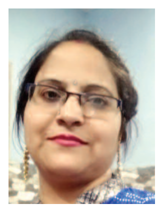

बबिता शर्मा का कहना है कि इन दिनों अधिकांश सब्जी सस्ती होने से रसोई को लाभ मिल रहा है। जेब पर भी महंगाई का असर कम हो गया है।

रागिनी श्रीवास्तव हरी सब्जी बाजार में काफी आ रही है, अन्य सब्जियां भी मिल रही हैं। अब सब सब्जी सस्ती मिल रही है। ऐसे में रसोई को राहत मिल रही है।

वृंदावन में होटल-गेस्ट हाउसों पर प्रशासन की सख्ती

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन क्षेत्र में होटल और गेस्ट हाउसों के संचालन में अनियमितताओं को लेकर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। बुधवार को नगर मजिस्ट्रेट अनुपम कुमार मिश्र ने छटीकरा मार्ग, प्रेम मंदिर मार्ग, चैतन्य विहार और रूकमणी विहार क्षेत्र में स्थित 22 होटल, गेस्ट हाउस और सराय का औचक निरीक्षण किया। जांच के दौरान होटल मिडास, सुख प्यारी धाम, श्री वसुधा धाम, राधा रमण कृष्णा कुंज, धामोदर धाम और अनुकम्पा धाम सहित कई स्थानों पर गंभीर खामियां पाई गईं। कई संचालक बिना सराय अधिनियम के पंजीकरण के संचालन करते पाए गए। साथ ही अग्निशमन विभाग की एनओसी का अभाव, सुरक्षा मानकों की अनदेखी और अतिथि पंजिका का सही रिकॉर्ड न रखने जैसी लापरवाहियां भी सामने आईं। नगर मजिस्ट्रेट ने सभी को नोटिस जारी कर तत्काल पंजीकरण कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि नियमों का पालन न करने पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

22 प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण

मथुरा-वृंदावन सपा प्रत्याशी अनिल अग्रवाल का किया भव्य स्वागत

मथुरा-वृंदावन के प्रत्याशी अनिल अग्रवाल स्थानीय लोगों के साथ जनसंवाद करते हुए।

यूनिक समय, मथुरा। औरंगाबाद में सैनी मोहल्ला स्थित यमुना गार्डन में समाजवादी पार्टी के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने मथुरा-वृंदावन विधानसभा प्रत्याशी अनिल अग्रवाल का जोरदार स्वागत किया। कार्यक्रम में स्थानीय जनता ने बिजली विभाग के द्वारा लगाए गए स्मार्ट मीटर को लेकर शिकायत की। पीड़ित महिलाओं ने स्मार्ट मीटर के नाम पर हो रही डिजिटल लूट कर रखी है। श्री अग्रवाल ने कहा कि यह तो सरकार का सरासर छलावा और धोखा दिया।

उन्होंने कहा कि में जनता की के साथ हूं कंधा से कंधा लगाकर अपनी जनता के साथ खड़ा हूं। स्थानीय जनता ने बताया कि पहले पुराने मीटर से 300 रुपये का बिल आता था, आज स्मार्ट मीटर से 3000 रुपये तक का बिल थमाया जा रहा है। महिलाओं ने कहा कि भीषण गर्मी में बिजली कट जाती है, बिल देखकर रातों की नींद उड़ जाती है। हमें पुराने मीटर लौटा दो, हमें स्मार्ट मीटर नहीं चाहिए। सपा नेता अभिषेक यादव, राजेन्द्र प्रसाद लोधी, देवेन्द्र निषाद, रिषी अग्निहोत्री ने कहा कि बिजली उपभोक्ता का अधिकार है, न कि वसूली का जरिया।

समाजवादी बाबा साहब अम्बेडकर वाहिनी के महानगर अध्यक्ष रमेश सैनी ने कहा कि यह स्मार्ट मीटर नहीं, स्मार्ट लूट है, सरकार स्मार्ट का सपना दिखाकर गरीबों की जेब में डाका डाल रही है। कार्यक्रम में जगदीश सैनी, राहुल सैनी, जसवंत सिंह कुशवाहा, ब्रिजेश यादव, जफरुद्दीन कुरैशी, खेमचंद सैनी, अशोक सैनी, ताराचंद सैनी, उमाकांत ठाकुर, जगदीश निषाद, लक्ष्मण निषाद, प्रीतम सैनी, रामवीर निषाद,ओमवती सैनी, श्यामवती निषाद, कमलेश सैनी, सरिता सैनी, कौशल सैनी, प्रभु दयाल सैनी, कुंदन निषाद, इंदिरा सैनी, गुड्डी सैनी, सोनिया सैनी, लखन सैनी, ईश्वर देवी निषाद, मोसिन खान, सौदान सिंह जाटव, बच्चूसिंह सैनी, भगवती सैनी, गिरिश यादव, राजेश चौधरी, इरफान खान, कान्हा निषाद, कान्हा सैनी, गट्टा खान, योगेश, अलीम कुरैशी, अनीशा, फरीदन, राजेश कुमार, फहीम कुरैशी,गुड्डू पठान, संजय खान, राजू गोला आदि मौजूद रहे।

सर्वजातीय सामूहिक विवाह में छह निर्धन बेटियों का गृहस्थ जीवन शुरू

सर्व जातीय विवाह समारोह में नव युगलों को आशीर्वाद देते संस्था के पदाधिकारी।

यूनिक समय, आगरा। सामाजिक समरसता और सेवा भाव का प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत करते हुए भारत विकास परिषद 'सुरभि' ने लोहामंडी स्थित महाराजा अग्रसेन भवन में सर्वजातीय सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया। इस आयोजन में जाति-वर्ग के भेदभाव से ऊपर उठकर छह निर्धन बेटियों का विवाह संपन्न कराया।

समारोह की शुरुआत जयपुर हाउस स्थित जैन स्मृति भवन से पारंपरिक घुड़चढ़ी की रस्म के साथ हुई। इसके बाद बैंड-बाजों की धुन पर नाचते-गाते हुए सामूहिक बारात निकाली गई। बारात महाराजा अग्रसेन भवन पहुंची, जहां सजे-धजे मंच पर वर-वधुओं ने एक-दूसरे को वरमाला पहनाई।

मंडपों में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच सभी नवयुगलों ने सात फेरे लेकर वैवाहिक जीवन की शुरुआत की। संस्था की सदस्यों ने बेटियों को गृहस्थी का आवश्यक सामान भेंट कर उन्हें भावुक विदाई दी। कार्यक्रम की व्यवस्थाओं का संचालन संस्था की अध्यक्ष निधि अग्रवाल के नेतृत्व में किया गया। मुख्य अतिथि समाजसेवी महेश उपाध्याय और शिल्पी उपाध्याय थे। अध्यक्षता गौरव बंसल ने की। जबकि स्वागताध्यक्ष अजय शिवहरे थे।

भागवत का श्रवण करने से भगवान की शरण में जगह मिल जाएगी

भागवत वक्ता बालकृष्ण पांडेय का श्रीजी की प्रसादी, चुनरी ओढाकर स्वागत करते पूर्व जेल विजिटर लक्ष्मण प्रसाद शर्मा।

यूनिक समय, बरसाना। बड़ी परिक्रमा मार्ग स्थित चित्रा सखी मंदिर में चल रही श्रीमद् भागवत कथा में संत विनोद बाबा महाराज के कृपा पात्र व पूर्व जिला चकबंदी अधिकारी बालकृष्ण पांडेय ने व्यासपीठ से कहा कि श्रीमद् भागवत कथा को पापी धुंधकारी की तरह ही श्रवण करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि धर्मपरायण ब्राह्मण आत्मदेव का पुत्र धुंधकारी अत्यंत पापी, क्रूर, दुराचारी, था, जो अपने कुकर्मों के कारण मृत्यु के बाद भयंकर प्रेत बन गया। उन्होंने कहा कि हम धुंधकारी की तरह ही भागवत जी का श्रवण करलें तो निश्चित रूप से हमें भी भगवान की शरण में जगह मिल जाएगी।

इस मौके पर पूर्व जेल विजिटर लक्ष्मण प्रसाद शर्मा ने भागवत व्यास बाल कृष्ण पांडेय का वृषभान नंदनी ओढ़नी उढ़ाकर अभिनंदन किया। इस अवसर पर गोपाल बाबा, निखिल, विजय, एडीजीसी केशव भारद्वाज आदि मौजूद थे।

प्रदूषण — बस स्टैंड के पास और हाईवे पर जलाया गया कचरा

आबादी में जल रहा कूड़ा, बिगड़ रहा पर्यावरण

यूनिक समय, मथुरा। आबादी और राष्ट्रीय राजमार्ग पर जल रहा कूड़ा और तैलीय कचरा लोगों की सेहत को बिगाड़ रहा है। दम घोटू धुएं की वजह से लोग परेशान हो रहे हैं, वातावरण भी खराब हो रहा है, लेकिन कूड़ा और कचरा जलाने वाले इससे बाज नहीं आ रहे हैं। बुधवार को फरह बस स्टैंड परिसर में कूड़े और राष्ट्रीय राजमार्ग पर जलाए गए तैलीय कचरे से निकले काले धुंए से आसमान ढक गया। लोगों को सांस लेने में परेशानी हुई, जबकि पर्यावरण भी खराब होता रहा।

सुबह मौसम सुहाना था, आसमान पर छाए बादलों के बीच किसी ने फरह बस स्टैंड परिसर में डाले गए कूड़े में आग लगा दी। थर्माकॉल, पालीथिन और घास आदि में आग लगते ही काला धुंआ आसमान की ओर उठने लगा।

काले धुएं से ढक गया आसमान, नागरिक होते हैं परेशान

मौके पर कुछ लोग पहुंचे, तब तक आग लगाने वाला गायब हो गया। करीब 20 मिनट तक सुलगे इस कूड़े से निकला धुआं पर्यावरण को खराब करता रहा। वहीं, राष्ट्रीय राजमार्ग पर गांव बाद के समीप टैंकर मरम्मत के वर्कशॉप के पास विटूमिन टैंकर से निकले डामर को आग लगा दी गई। डामर की आग से काला घुआं आसमान तक उठने लगा। काफी देर तक यह धुआं छोटे वाहन चालकों के लिए परेशानी की वजह बनता रहा। स्थानीय लोगों ने बताया कि कूड़े और कचरा में आग लगाने से विषैला धुआं निकलता है, जिससे सांस लेने में परेशानी होती है। ऐसा करने वालों को कई बार मना किया है, लेकिन वह आदत से बाज नहीं आते हैं। सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक मदन मोहन शर्मा का कहना है कि कूड़ा जलाना अपराध है। बस स्टैंड में यह काम किसी पब्लिक के व्यक्ति ने किया होगा। नगर पंचायत के सफाई कर्मचारी और दुकानदार कचरा डालते हैं। कई बार समझाया है, अब कार्रवाई करेंगे।

धुएं से यह होता है नुकसान

कचरा- कूड़ा जलाने की वजह से निकलने वाले धुएं से शरीर को नुकसान पहुंचता है। इस धुएं से सांस से जुड़ी बीमारी के अलावा फैंफड़ों में कैंसर हो सकता है। धुएं में मौजूद कार्बन मोनोऑक्साइड और जहरीले कण आंख, नाक, गले में जलन, सिरदर्द और दिल से जुड़ी बीमारियां बढ़ाते हैं। फिजीशियन डॉ. आरएन गर्ग ने बताया कि ऐसे धुएं से पर्यावरण खराब होता है, लोगों को परेशानी होती है।

ठाकुर द्वारकाधीश मंदिर में आम मनोरथ फूल बंगला एवं भजन संध्या 31 को

कार्यक्रम की जानकारी देने से पहले निमंत्रण कार्ड का विमोचन करते पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। श्री द्वारिकाधीश मंगला प्रसादी सेवा मंडल नेद्वारिकाधीश मंदिर प्रांगण में आम-मनोरथ एवं फूल बंगला और भजन संध्या का आयोजन 31 मई को शाम पांच बजे से करने का निश्चय किया है। कार्यक्रम में द्वारकाधीश मंदिर मे फलों का बगीचा व फूल बंगला सजेगा उसके उपरांत यमुना पैलेस मे भजन गायिका रिया बृजवासी की भजन संध्या होगी। मंडल के एडमिन सौरभ वर्मा ने बताया कि यह आयोजन श्री द्वारकाधीश मंगला प्रसादी सेवा मंडल के स्थापना पर्व के पर आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम की तैयारियों के लिए ग्रुप की एक टीम गठित की गयी है। इसमें लवकेश गोला, सौरभ वर्मा, दीपक अग्रवाल, डॉ मीनाक्षी सिंह, भूपेन्द्र गौतम, महेश खण्डेलवाल, संदीप अग्रवाल,राहुल अग्रवाल, रामविलास द्विवेदी, विष्णु शर्मा, अंशुल गौतम, उमेश भदौरिया, संजय सोनी आदि मेम्बरों को जिम्मेदारी दी गई है।

बाजार में नहीं मिल रहीं सीबीएसई और एनसीईआरटी की किताबें

किताबों की किल्लत से जूझ रहे कक्षा नौ के छात्र

यूनिक समय, मथुरा। जिले में कक्षा नौ के छात्रों के सामने इस समय बड़ी शैक्षणिक चुनौती खड़ी हो गई है। यूनिट टेस्ट शुरू होने में केवल तीन-चार दिन बचे हैं, लेकिन बाजार में अभी तक एनसीईआरटी और सीबीएसई बोर्ड की सभी आवश्यक किताबें नहीं मिल रही हैं, जो किताबें बाजार में आई थीं,अब वो भी अब बुक स्टोरों से पूरी तरह गायब हो चुकी हैं। ऐसे में छात्रों की पढ़ाई पर सीधा असर पड़ रहा है और उनकी तैयारी अधूरी रह गई है। छात्रों का कहना है कि बिना किताबों के पढ़ाई करना असंभव हो गया है। स्कूलों में अध्यापन तो जारी है, लेकिन घर पर अभ्यास और पुनरावृत्ति के लिए जरूरी पाठ्यपुस्तकों का अभाव सबसे बड़ी समस्या बन गया है। कुछ छात्र फोटोकॉपी या मित्रों से किताब लेकर पढ़ने का प्रयास कर रहे हैं। अभिभावकों की चिंता भी लगातार बढ़ती जा रही है। जब परिजन बच्चों से पढ़ाई के बारे में पूछते हैं, तो बच्चों का जवाब होता है- किताबें नहीं हैं तो तैयारी कैसे करें। बुक स्टोर संचालकों के अनुसार, इस बार प्रकाशकों की ओर से समय पर आपूर्ति नहीं हो पाई है, जिस कारण यह संकट उत्पन्न हुआ है। मांग के मुकाबले स्टॉक आते ही खत्म हो जा रहा है।

भैंस भहोरा के बुक स्टोरों पर कक्षा 9 के छात्र किताबों की जानकारी करने के बाद लौटते हुए ।

सीबीएसई पाठ्यक्रम की पुस्तकें बाजार से गायब, छात्र अधूरी तैयारी के साथ परीक्षा देने को मजबूर

सरकार ने बदली 'भर्ती वर्ष' की परिभाषा

जनवरी से तय होगा नया भर्ती वर्ष

सिटी रिपोर्टर

यूनिक समय, मथुरा। प्रदेश में सरकारी भर्तियों की प्रक्रिया को लेकर बड़ा प्रशासनिक बदलाव सामने आया है। राज्य सरकार ने 'भर्ती का वर्ष' की परिभाषा में संशोधन करते हुए नई नियमावली लागू कर दी है, जिसके तहत अब भर्ती वर्ष जुलाई के बजाय जनवरी से शुरू माना जाएगा। यह नई व्यवस्था 1 जनवरी 2027 से प्रभावी होगी। अब तक प्रदेश में भर्ती वर्ष 1 जुलाई से शुरू होकर अगले 12 महीनों तक चलता था, लेकिन नए नियम के अनुसार इसे बदलकर 1 जनवरी से शुरू होने वाले कैलेंडर वर्ष के रूप में निर्धारित किया गया है। इससे भर्ती प्रक्रिया को सालाना योजना के साथ जोड़ने की कोशिश की गई है। इस बदलाव को लागू करने के लिए सरकार ने वर्ष 2026-27 को संक्रमण काल के रूप में सीमित किया है। इस दौरान भर्ती वर्ष केवल 1 जुलाई 2026 से 31 दिसंबर 2026 तक ही मान्य रहेगा, ताकि नई व्यवस्था में सुचारू परिवर्तन सुनिश्चित किया जा सके। प्रदेश सरकार ने स्पष्ट किया है कि जिन पदों के लिए चयन प्रक्रिया पहले से जारी है या जिनके लिए विज्ञापन जारी हो चुका है, वे भर्तियां पुराने नियमों के अनुसार ही पूरी की जाएंगी। नए प्रावधानों का उन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

अब जुलाई नहीं, जनवरी से गिना जाएगा भर्ती वर्ष, 2027 से लागू होगा नया नियम

सरकारी नौकरियों का कैलेंडर बदला, भर्ती टाइमलाइन में सुधार की पहल

संविधान के अनुच्छेद 309 के तहत यह नियम प्रदेश की सभी सेवा नियमावलियों पर लागू होगा, जिससे सभी विभागों में भर्ती प्रक्रिया की एक समान समय-सीमा तय हो सकेगी।

भर्ती वर्ष की परिभाषा में यह बदलाव प्रशासनिक दृष्टि से एक संरचनात्मक सुधार माना जा रहा है। इससे भर्ती प्रक्रियाओं में बेहतर समन्वय और समयबद्धता आने की उम्मीद है, जिसका वास्तविक प्रभाव 2027 से देखने को मिलेगा।

शिक्षकों की अनूठी पहल

सरकारी स्कूल में बनाया गया स्टेशनरी बैंक

यूनिक समय, बल्देव। सर जी ! कापी नहीं थी इसलिए स्कूल नहीं आए थे। मैडम जी पेंसिल नहीं है कैसे लिखें। आमतौर पर दिखने वाली बच्चों की इस तरह की दिक्कत अब परिषदीय विद्यालय बलरामपुर में नहीं होगी, क्योंकि अब स्कूल में ही स्टेशनरी का एक अपना बैंक होगा। इस बैंक में पैन, पेंसिल, रबर, कलर, कटर, कॉपियां, पहाड़े, पुस्तकें व अन्य उपयोगी वस्तुएं मौजूद रहा करेंगी और जरूरत पड़ने पर विद्यार्थी यहां से स्वयं ही निःशुल्क ले लेंगे। प्राथमिक विद्यालय बलरामपुर में निःशुल्क स्टेशनरी बैंक का शुभारंभ अग्रवाल समाज संगठन के अध्यक्ष और उद्योगपति उमेश अग्रवाल एवं होटल विरासत के निदेशक मोहित अग्रवाल द्वारा मां सरस्वती के छविचित्र पर दीप प्रज्वलित कर एवं फीता काटकर किया गया। स्टेशनरी बैंक के इस नवाचार के संबंध में विद्यालय के प्रधानाध्यापक डॉ. जगदीश पाठक ने बताया कि इस अनूठी पहल का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद विद्यार्थियों को निःशुल्क कॉपियां, पेंसिल, इरेजर, शॉर्पनर और अन्य आवश्यक शिक्षण सामग्री उपलब्ध कराना है, ताकि स्टेशनरी के अभाव में किसी बच्चे की पढ़ाई में व्यवधान न आए और शिक्षा के प्रति समाज की संवेदनशीलता को बढ़ावा मिले। इस अवसर पर संजीव अग्रवाल, हरिओम अग्रवाल, सोनू भैया, धर्मेंद्र उपाध्याय, कन्हैया अग्रवाल, अचल कुमार, प्रेमचंद, गीता सक्सेना, डॉ. जगदीश पाठक, बिंदु शर्मा, पूजा रानी, ममता रानी आदि की उपस्थिति मुख्य रही। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के प्रधानाध्यापक डॉ. जगदीश पाठक ने किया।

स्टेशनरी बैंक का फीता काटकर शुभरंभ करते समाजसेवी, साथ में हैं गणमान्य लोग।

बादलों ने दी राहत, छांव से मिला सुकून

यूनिक समय, मथुरा । बुधवार को भी बादलों ने राहत दी। सुबह से शाम तक आसमान पर कई बार छाए बादल भी धूप के तेज को कम करते रहे। ऐसे मौसम की वजह से तापमान में मामूली वृद्धि हुई है। कई दिन से मौसम लोगों को गर्मी से राहत दे रहा है। बयार, बादल और बूंदाबांदी का मिलन तापमान को नीचे ला रहा है। ऐसा मौसम लोगों के लिए सुहावना बना हुआ है। बुधवार को भी मौसम सुकून देने वाला रहा। सुबह से शाम तक कई बार आसमान में बादल छाए, जिससे धूप का तेज कम होता रहा।

मौसम विज्ञानी नरेंद्र कुमार ने बताया कि ऐसा मौसम अभी दो-तीन दिन और राहत देगा। अधिकतम तापमान में मामूली वृद्धि हो सकती है। इसके बाद आसमान साफ होते ही तापमान चढ़ने लगेगा।

वृंदावन में निशुल्क चिकित्सा शिविर आठ को

यूनिक समय, मथुरा। अरोग्यपीठ, वृन्दावन के तत्वाधान तथा राधा माधव मंदिर के सेवाभाव में अर्धनारेश्वर चिकित्सा की ओर से आठ मई को सुबह सात से नौ बजे तक निशुल्क शिविर लगाया जाएगा। इसमें घुटनों का दर्द, कमर दर्द, गर्दन दर्द, सर्वाइकल, स्पॉन्डोलाइसिस, गैस्टिक, अपच, लकवा, सुन्नपन, मासिक अनियमितता, साइटिका, माइग्रेन, शुगर, पेट से संबंधित समस्याएं, अनिद्रा आदि बीमारियों का नाड़ी मृदंग द्वारा उपचार होगा। शिविर राधा माधव मंदिर, मदन मोहन चौराहा के पास, अंतर्यामी के सामने, वृन्दावन में लगेगा।

तमंचा और कारतूस के साथ एक युवक गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। राया पुलिस ने ककरेटिया नहर की पटरी के समीप से एक युवक को देशी तमंचा कारतूसों के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि एक सूचना के आधार पर ककरेटिया नहर के समीप से युवक विष्णु निवासी नगला दीपा को गिरफ्तार किया है। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से एक देशी तमंचा करतूस बरामद हुए हैं ।

बिजली उपभोक्ता ने कर्मचारी को तेजाब से नहलाने की दी धमकी

यूनिक समय, वृंदावन। बिजली बिल जमा न होने के विवाद ने गंभीर रूप ले लिया। एक उपभोक्ता ने विद्युत कर्मचारी को तेजाब से नहलाने की धमकी दे डाली।

घटना के बाद कर्मचारी भयभीत है और उसने नौकरी छोड़ने तक की बात कही है, जिससे उसके साथियों में आक्रोश फैल गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, चैतन्य विहार उपकेंद्र पर जेई दीपक मधेशिया के निर्देश पर संविदाकर्मी नरेंद्र कुमार सिंह उर्फ रानू ने उपभोक्ता विकी उर्फ मृत्युंजय शर्मा को बकाया बिजली बिल जमा करने के लिए फोन किया था। आरोप है कि फोन पर ही उपभोक्ता ने कर्मचारी को तेजाब से नहलाने की धमकी दे डाली।

घटना के बाद कर्मचारी ने इसकी जानकारी विभागीय अधिकारियों को दी। अधिकारियों ने मामले को गंभीरता से लेते हुए कानूनी कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है।

केडी हॉस्पिटल में 50 से अधिक मरीजों की हुई मुख कैंसर की जांच

यूनिक समय, मथुरा। केडी मेडिकल कॉलेज-हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेंटर के दंत एवं मुख चिकित्सा विभाग में बुधवार को चार दिवसीय मुख कैंसर के निःशुल्क जांच शिविर का शुभारम्भ किया गया। शिविर के पहले दिन कंसल्टेंट हेड एंड नेक ऑन्को सर्जन डॉ. दिव्यांशु अग्रवाल द्वारा 50 से अधिक मरीजों की आधुनिक मशीनों से जांच कर उन्हें परामर्श दिया गया। शिविर में मरीजों के मुंह की स्क्रीनिंग तथा दूरबीन द्वारा गले की एण्डोस्कोपी की गई।

ऑन्को सर्जन डॉ. दिव्यांशु अग्रवाल ने बताया कि जन जागरूकता के अभाव तथा तम्बाकू, शराब आदि के सेवन से मुख कैंसर के मरीजों में लगातार इजाफा हो रहा है। ब्रज क्षेत्र में भी मुख कैंसर के मरीजों में लगातार वृद्धि देखी जा रही है। इसी समस्या के निदान के लिए केडी हॉस्पिटल प्रबंधन द्वारा मुख कैंसर के निःशुल्क जांच शिविर का आयोजन किया गया है। उन्होंने बताया कि केडी हॉस्पिटल में आधुनिक मशीनें तथा विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम होने के चलते यहां मुंह के कैंसर का भरोसेमंद इलाज सम्भव है। डॉ. अग्रवाल ने बताया कि शिविर के पहले दिन 50 से अधिक मरीजों की जांच की गई। यह शिविर 9 मई तक चलेगा। जिन लोगों को मुंह में किसी भी तरह की समस्या है, वह इस निःशुल्क जांच शिविर का लाभ उठा सकते हैं। डीन और प्राचार्य डॉ. आरके अशोका तथा चिकित्सा अधीक्षक डॉ. गगनदीप सिंह ने बताया कि संस्थान के चेयरमैन मनोज अग्रवाल प्रत्येक ब्रजवासी के स्वस्थ-सुखद जीवन के लिए निरंतर निःशुल्क शिविरों का आयोजन करते रहते हैं। चार दिवसीय इस निःशुल्क शिविर का उद्देश्य मुख कैंसर के बारे में जागरूकता बढ़ाना, स्क्रीनिंग के माध्यम से शीघ्र निदान को बढ़ावा देना तथा जरूरतमंद व्यक्तियों को सुलभ सेवाएं प्रदान करना है। डॉ. आरके अशोका ने मुंह के घावों से परेशान लोगों से इस शिविर का अधिक से अधिक लाभ उठाने का आह्वान किया है।

मरीज की जांच करते कंसल्टेंट हेड एंड नेक ऑन्को सर्जन डॉ. दिव्यांशु अग्रवाल।

हेड एंड नेक ऑन्को सर्जन डॉ. दिव्यांशु अग्रवाल ने दिया परामर्श

युवतियों और महिलाओं को मिलेगा मुफ्त प्रशिक्षण 15 मई तक करें आवेदन

यूनिक समय, मथुरा। एक जनपद एक उत्पाद (ओडीओपी) योजना के अंतर्गत मथुरा में महिलाओं और युवतियों के लिए 10 दिवसीय निःशुल्क प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। जिला उद्योग डिप्टी कमिश्नर चंद्र भान सिंह ने बताया कि वर्ष 2026-27 के लिए यह प्रशिक्षण कार्यक्रम परिधान एवं हौजरी उत्पादों की पैकेजिंग, पोशाक एवं स्वच्छता संबंधी उपकरणों (वर्दियां) के निर्माण से जुड़े कार्यों के लिए आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में बेसिक एवं एडवांस ट्रेनिंग के साथ क्षमता विकास का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। इसमें शिक्षित-अशिक्षित, कुशल-अकुशल कारीगर एवं हस्तशिल्पी आवेदन कर सकते हैं। इच्छुक अभ्यर्थियों को आवेदन पत्र के साथ मूल प्रमाण पत्र, शैक्षिक विवरण, आधार कार्ड, आय प्रमाण पत्र, बैंक पासबुक तथा फोटो संलग्न कर आवेदन करना होगा।ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 15 मई 2026 निर्धारित की गई है। आवेदन एमएसएमई विभाग की वेबसाइट पर किए जा सकते हैं।

जोड़ों के दर्द से राहत दिलाएंगे ये सुपरफूड, डाइट में करें शामिल

यूनिक समय, नई दिल्ली। शरीर के जोड़ों पर यूरिक एसिड या फिर गठिया की बीमारी का सबसे ज्यादा असर पड़ता है।

इससे न सिर्फ जोड़ों में दर्द होता है, बल्कि धीरे-धीरे उठना-बैठना तक दूभर हो जाता है। अक्सर कई लोगों को किसी खास मौसम में कमजोर हड्डियां और जोड़ों में दर्द की शिकायत होती हैं।

ऐसे में इसका इलाज क्या है? बता दें कि अगर दर्द की दवा के साथ-साथ आप सही डाइट भी फॉलो करें, तो यकीनन आपको अपने जोड़ों के दर्द में प्रभावी बदलाव महसूस होंगे, जिससे न सिर्फ आपको आराम मिलेगा, बल्कि आपकी हड्डियां पहले से कई गुना ज्यादा मजबूत भी होंगी। इसलिए आज हम बात करेंगे, ऐसे ही कुछ फूड्स के बारे में, जिसे अगर आप अपनी डाइट में शामिल करोगे तो जोड़ो के दर्द से जल्द ही छुटकारा मिल जाएगा।

पालकः पालक की मदद से शरीर में दर्द, अकड़न, जकड़न और सूजन में कमी पेश आती है, क्योंकि इसमें मौजूद एंटीऑक्सिडेंट सारी परेशानियों के निजात के लिए कारगर साबित होता है। साथ ही इसमें मौजूद कैल्शियम हड्डियों को मजबूत करता है और जोड़ों को सेफ्टी देता है।

सूखे मेवेः अखरोट, पिस्ता और बादाम में मौजूद भरपूर मात्रा में कैल्शियम, हड्डियों को मजबूत करने के साथ ही विटामिन ई का भी स्त्रोत है। सूखे मेवा आपके जोड़ों के दर्द में राहत पहुंचाने में काफी ज्यादा कारगर हो सकता है। वहीं सूखे मेवे में पाए जाने वाला ओमेगा थ्री फैटी एसिड, ओस्टियोपोरोसिस संबंधित जटिलताओं को कम करता है।

खट्टे फलः खट्टे फल शरीर में प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करता है, साथ ही शरीर में दर्द और सूजन को कम करता है। खट्टे फल विटामिन सी से भरपूर होते हैं। इनका सेवन अर्थराइटिस और जॉइंट पैन में भी कारगर होता है। खट्टे फलों में आप संतरा, नींबू, अन्नानास इत्यादी का सेवन कर सकते हैं।

फायदेमंद हैं लीची के छिलके, त्वचा के लिए संजीवनी

यूनिक समय, मथुरा। गर्मियों के मौसम में हमें कई तरह की समस्याओं से दो-चार होना पड़ता है। कभी घमौरियां, तो कभी डिहाइड्रेशन। मगर सबसे ज्यादा परेशानी त्वचा से संबंधित होती है। ऐसे में आज हम एक ऐसे फल के बारे में जानेंगे, जो पोषक तत्वों से भरपूर होता है, साथ ही उसका स्वाद लाजवाब होता। अगर आप अबतक नहीं समझें तो बता दें कि यहां बात हो रही है लीची की। जी हां... लीची गर्मियों के मौसम में आपकी बॉडी को न सिर्फ हाइड्रेट रखती है, बल्कि खट्टी-मीठी स्वाद वाली रसीली लीची में पोषक तत्वों की भरमार होती है। लीची में विटामिन सी, बीटा कैरोटीन, नियासिन, राइबोफ्लेविन और इम्यूनिटी बूस्ट करने वाला फोलेट मौजूद होता है, साथ ही लीची त्वचा के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद होता है, जो इसे गर्मियों के मौसम के लिए बिल्कुल सटीक बताता है।

हालांकि यहां ये जान लीजिए कि न सिर्फ लीची, बल्कि लीची के जिन छिलकों को हम

फेंक देते हैं वो भी काफी ज्यादा फायदेमंद हैं। बता दें कि खूबसूरती बढ़ाने, स्किन को ग्लोइंग करने, गर्दन की टैनिंग साफ करने सहित लीची के छिलकों का कई तरह से इस्तेमाल किया जा सकता है। ऐसे में आइये आज बात करेंगे लीची फल के छिलकों के फायदों के बारे में.....

टैनिंग से पा सकते है छुटकाराः लीची के छिलके गले की टैनिंग साफ करने में काफी ज्यादा कारगर साबित हो सकते हैं। लीची के छिलकों से गले की टैनिंग साफ करने के लिए इसे पीसकर बेकिंग पाउडर, नींबू का रस, नारियल तेल और हल्दी मिलाकर पेस्ट तैयार करना है, जिसके बाद गले पर जहां टैनिंग हुई है, वहां पेस्ट को लगाना होगा। कुछ देर हल्के हाथ से मसाज के बाद गले की डेड सेल्स निकल आएंगी और टैनिंग से आपको छुटकारा मिल जाएगा।

बॉडी स्क्रब के तौर पर करें इस्तेमालः लीची के छिलके को आप गर्मियों के मौसम में एक बॉडी स्क्रब के तौर पर भी इस्तेमाल में ले सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले आपको लीची के छिलके को धोकर सुखाकर मिक्सी में दरदरा पीस लेना है, फिर उसमें चावल का आटा, एलोवेरा जेल और गुलाब जल मिलाकर एक पेस्ट तैयार करना है। एक बार पेस्ट तैयार हो जाने पर लीची के छिलकों से बने इस पेस्ट को चेहरे पर लगाना, फिर धीरे-धीरे हल्के हाथों से मसाज कर चेहरे को पानी से धो लें, जिससे डेड सेल्स आसानी से निकल जाएंगे और चेहरा भी निखर आएगा।

टमाटर और लौकी का जूस डायबिटीज मरीजों के लिए फायदेमंद

यूनिक समय, मथुरा। डायबिटीज मरीजों के लिए गर्मी का ये मौसम काफी चुनौती भरा होता है। इस मौसम में उन्हें अपने सेहत पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है, क्योंकि मौसम में पेश आई तब्दीली की वजह से उनकी डाइट से लेकर फिजिकल एक्टिविटीज तक सब कुछ बदल जाता है, ये बदलाव उनके ब्लड शुगर लेवल में इजाफा करता है, जो डायबिटीज का कारण बनता है। ऐसी स्थिति में अपनी लाइफस्टाइल और खानपान में अच्छा बदलाव ही कोई सकारात्मक बदलाव दे सकता है। वहीं विशेषज्ञों का मानना है कि अगर डायबिटीज पेशेंट, अपनी डाइट में बदलाव कर कुछ खास तरह के फूड्स को शामिल कर लें, तो ये बढ़ता शुगर लेवल काफी हद तक नियंत्रण में लाया जा सकता है, लिहाजा इसी के मद्देनजर आज हम आपको कुछ ऐसे ही जूस के बारें में बताएंगे, जो डायबिटीज मरीजों के लिए रामबाण इलाज है, तो चलिए शुरू करते हैं।

दरअसल शुगर लेवल कंट्रोल करने का एक बहुत ही बेहतरीन और घरेलू नुस्खा है, टमाटर और लौकी का जूस। जी हां अगर डायबिटीज के मरीज टमाटर और लौकी का जूस मिलाकर पीते हैं तो उनका शुगर लेवल बहुत हद तक कंट्रोल रहता है। दरअसल लौकी में मौजूद 92 प्रतिशत पानी और फाइबर की ज्यादा मात्रा से भूख नियंत्रण में रहती है, साथ ही ब्लड शुगर का लेवल भी मेंटेन रहता है।

वहीं टमाटर में भरपूर मात्रा में मौजूद नारिंगिन फ्लेवोनोइड्स एंटी डायबिटिक की तरह काम करता है। साथ ही ये भी ब्लड शुगर लेवल को कम करने में सहायक होता है।

टमाटर-लौकी जूस के फायदे

टमाटर और लौकी का जूस बैड कोलेस्ट्रॉल कम करता है।
टमाटर और लौकी का जूस पीने से हार्ट हेल्दी रहता है।
टमाटर-लौकी का जूस पाचन तंत्र को मजबूती देता है।
टमाटर-लौकी का जूस इम्यूनिटी स्ट्रॉंग करता है।
टमाटर-लौकी का जूस वजन कंट्रोल करता है।

चेहरे पर अनचाहे बालों के पीछे आपकी लाइफस्टाइल हो सकती है जिम्मेदार

यूनिक समय, मथुरा। हर महिला खूबसूरत दिखना चाहती है। लेकिन कई बार फेस पर निकलने वाले बाल इस खूबसूरती में दाग लगाने का काम करते हैं। अगर आपके चेहरे पर भी बाल निकलते हैं। तो कहीं न कहीं इसके पीछे आपकी लाइफस्टाइल जिम्मेदार हो सकती है।

अधिकतर लोगों के चेहरे पर थोड़े-बहुत बाल होते हैं। इंसान के शरीर के हर हिस्से पर बाल होते हैं। कई बार यह बहुत हल्के होते हैं कि हमें दिखाई ही नहीं देते हैं। वहीं कुछ लोगों के चेहरे पर काफी बाल होते हैं। जिन महिलाओं के चेहरे पर ज्यादा बाल होते हैं कि उन्हें कई बार परेशानी का सामना करना पड़ता है। खूबसूरत चेहरा तो हर महिला की चाहत होती है, लेकिन क्या आप जानती हैं कि फेस हेयर का कारण आपकी लाइफस्टाइल भी हो सकती हैं। आज हम आपको इस आर्टिकल के जरिए बताने जा रहे हैं कि अगर आपको पीसीओएस या कोई हेल्थ समस्या नहीं होती है तो आपके

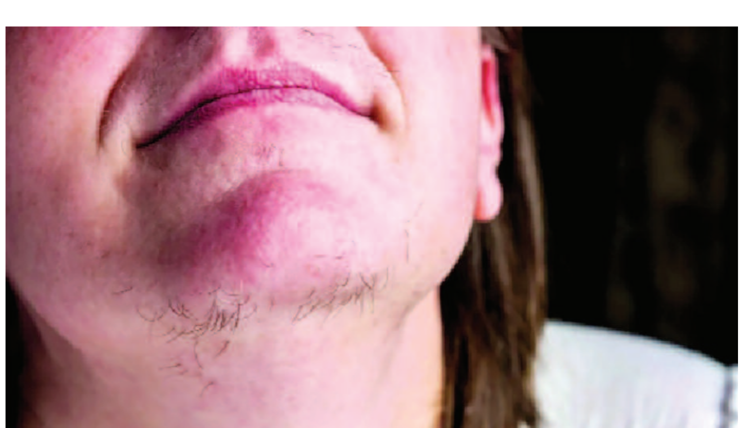

फेस हेयर क्यों आते हैं।

हार्मोनल इम्बैलेंस

हालांकि फेस पर बाल एक नेचुरल कारण भी होता है। लेकिन हेल्दी लाइफस्टाल से इसे काफी हद तक कंट्रोल भी किया जा सकता है। महिलाओं की जिंदगी में फेस हेयर हिर्सुटिस्म के कारण भी हो सकते हैं। कई बार हार्मोन्स के कारण भी फेस पर अधिक बाल आने लगते हैं।

यदि किसी महिला के शरीर में मेल हार्मोन्स ज्यादा होते हैं तो यह बीमारी होती है। किसी ट्यूमर या फिर पीसीओएस की दवा लेने के कारण भी चेहरे पर बाल की समस्या देखी जा सकती है।

वर्कआउट

अगर आपकी लाइफस्टाइल बेहद बिजी है और एक्सरसाइज का समय नहीं मिल पाता है। तो फेस हेयर बढ़ने की गुंजाइश हो सकती है। क्योंकि एक्सरसाइज न करने से मोटापा बढ़ता है। ऐसे में शरीर में कई तरह के हार्मोनल इम्बैलेंस होने लगते हैं। ओबेसिटी की वजह से चेस्ट, अपर लिप्स और चिन पर बाल आने लगते हैं। इसलिए आपको अपनी बिजी लाइफस्टाइल से थोड़ा सा समय निकालकर 30 मिनट एक्सरसाइज जरूर करना चाहिए।

मछली और ऑयली खाना

मछली में ओमेगा 3 फैटी एसिड्स पाया जाता है। जो हेयर ग्रोथ को बढ़ाने का काम करते हैं। मछली प्रोटीन का एक अच्छा सोर्स होता है। बताया जाता है कि अधिक मछली के सेवन से महिलाओं में टेस्टोस्टेरोन का लेवल बढ़ता है। ऐसे में अगर महिलाओं में टेस्टोस्टेरोन का लेवल बढ़ता है, तो यह फेशियल हेयर की ग्रोथ का जिम्मेदार हो सकता है।

कैफीन

अगर आप भी अपने दिन की शुरुआत कॉफी से करती हैं, या पूरे दिन में 4-5 कप से ज्यादा कॉफी पीती हैं तो यह टेस्टोस्टेरोन का लेवल बढ़ा सकता है। कुछ रिपोर्ट्स के अनुसार, यदि आप 4 हफ्ते से ज्यादा इस तरह की लाइफस्टाइल जारी रखती हैं तो यह आपके शरीर में टेस्टोस्टेरोन का लेवल बढ़ाता है। इसलिए डीकैफ या कम कैफीन वाले ऑप्शन को चुन सकती हैं।

मेनोपॉज

बता दें कि मेनोपॉज के बाद महिलाओं के चेहरे पर ज्यादा बाल आने लगते हैं। वहीं महिला हो या पुरुष, मोटापा हमारे शरीर में हॉर्मोन के असंतुलन की वजह से फेस पर हेयर ग्रोथ होने लगती है। वहीं लंबे समय तक ली जाने वाली दवाओं और स्टेरॉयड्स की वजह से भी फेस पर काफी बाल आने लगते हैं।

सुविचार

किसी के चेहरे की मुस्कुराहट की वजह ही बनो...
खुशी ही नहीं सुकून भी मिलेगा।

कल का पंचांग

तिथि	षष्ठी	07:51-10:14 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	पूर्वाषाढ़ा	03:53-06:45 तक	माह	ज्येष्ठ
सूर्योदय		5:39 AM	चन्द्रोदय	11:56 PM
सूर्यास्त		6:51 PM	चंद्रास्त	10:29 AM
सूर्य राशि		मेष राशि	चंद्र	धनु राशि
शुभ मुहूर्त			ब्रहम् मुहूर्त	04:03-03:53
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल	01:54 PM: 03:33 PM		वार	गुरुवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

पुरुषोत्तम मास 2026: क्या करें और क्या न करें

इस माह को आत्मशुद्धि, साधना और ईश्वर भक्ति के लिए श्रेष्ठ समय माना जाता

यूनिक समय, मथुरा। पुरुषोत्तम मास, जिसे अधिक मास या मलमास भी कहा जाता है, यह हिन्दू पंचांग का एक अत्यंत पवित्र और आध्यात्मिक महत्व वाला महीना माना जाता है। यह लगभग हर 2 से 3 वर्ष में एक बार आता है जब चंद्र और सौर वर्ष के बीच अंतर को संतुलित करने के लिए एक अतिरिक्त महीना जोड़ा जाता है। वर्ष 2026 में यह विशेष मास 17 मई से 15 जून तक रहेगा। इसे भगवान विष्णु को समर्पित "पुरुषोत्तम मास" कहा जाता है, जिसमें किए गए पुण्य कार्यों का फल कई गुना अधिक माना जाता है। इस माह को आत्मशुद्धि, साधना और ईश्वर भक्ति के लिए श्रेष्ठ समय माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि इस अवधि में व्रत, पूजा और दान करने से जीवन में सकारात्मक ऊर्जा आती है और आध्यात्मिक उन्नति होती है।

इस मास में क्रोध, झूठ निंदा और विवाद से दूर रहना चाहिए

पुरुषोत्तम मास में क्या करें- इस पवित्र महीने में भगवान विष्णु की नियमित पूजा करना अत्यंत शुभ माना जाता है। "ॐ नमो भगवते वासुदेवाय" मंत्र का जाप, विष्णु सहस्त्रनाम और श्रीमद्भगवद्गीता का पाठ विशेष फलदायी होता है। प्रतिदिन दीपदान करना, विशेषकर तुलसी के पास या मंदिर में, पुण्यकारी माना जाता है। इस मास में दान का विशेष महत्व है। अन्न, वस्त्र, घी, गुड़ और तांबे के बर्तन दान करना शुभ होता है। सूर्योदय से पहले स्नान करना या घर में गंगाजल मिलाकर स्नान करना भी पवित्र माना जाता है। साथ ही, सात्विक भोजन अपनाना और सरल जीवन जीना इस अवधि का मुख्य नियम है।

MANNAT
GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

पुरुषोत्तम मास में क्या न करें- इस दौरान विवाह, मुंडन, गृह प्रवेश, यज्ञोपवीत जैसे मांगलिक कार्य नहीं किए जाते। नया व्यवसाय शुरू करना, संपत्ति खरीदना या बड़े निवेश से भी बचना चाहिए। मांस, मदिरा, प्याज–लहसुन जैसे तामसिक भोजन का त्याग करना चाहिए। क्रोध, झूठ, निंदा और विवाद से दूर रहना भी आवश्यक माना गया है। इस महीने में अत्यधिक भोग–विलास और दिखावे से बचकर साधना पर ध्यान देना चाहिए।

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8 .00 से दोपहर 01 .30 बजे तक और शाम 4 .00 से रात 9 .00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6 .30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7 .30 बजे तक।

कल का राशिफल

मेष राशि: के जातक स्वभाव से ऊर्जा से भरपूर, साहसी और नेतृत्व करने वाले होते हैं। आज यह गुण आपके लिए वरदान साबित होंगे, लेकिन इनके साथ संतुलन रखना भी उतना ही जरूरी होगा।

वृष राशि: के लोग स्वभाव से शांत, स्थिर और व्यावहारिक होते हैं। आज आपका यही गुण आपको मजबूत बनाएगा।

मिथुन राशि: के जातक बुद्धिमान, संवादप्रिय और जल्दी सीखने वाले होते हैं। आज आपकी यही विशेषता आपको सफलता दिला सकती है।

कर्क राशि: के लोग भावुक, संवेदनशील और परिवार–केंद्रित होते हैं। आज आपकी भावनाएं थोड़ी ज्यादा सक्रिय रह सकती हैं, जिससे आप छोटी–छोटी बातों को दिल पर ले सकते हैं।

सिंह राशि: के जातक आत्मविश्वासी, आकर्षक और नेतृत्व करने वाले होते हैं। आज आपका आत्मविश्वास आपको आगे बढ़ने में मदद करेगा।

कन्या राशि: के लोग मेहनती, विश्लेषणात्मक और परफेक्शनिस्ट होते हैं। आज आप हर काम को बारीकी से करने की कोशिश करेंगे, जिससे आपको सफलता मिलेगी, लेकिन इससे थकान भी हो सकती है।

तुला राशि: के जातक संतुलनप्रिय, सामाजिक और रिश्तों को महत्व देने वाले होते हैं। आज आपका यह गुण आपको सफलता दिलाएगा। कार्यक्षेत्र में सहयोगियों के साथ अच्छा तालमेल रहेगा और काम आसानी से पूरे होंगे।

वृश्चिक राशि: के लोग गहरे, रहस्यमयी और दृढ़ निश्चयी होते हैं। आज आप अपने लक्ष्यों को लेकर काफी गंभीर रहेंगे।

धनु राशि: के जातक आशावादी, स्वतंत्र और ज्ञान की खोज करने वाले होते हैं। आज आपका सकारात्मक दृष्टिकोण आपको आगे बढ़ाएगा।

मकर राशि: के लोग अनुशासित, मेहनती और लक्ष्य केंद्रित होते हैं। आज आप अपने काम को लेकर काफी गंभीर रहेंगे और धीरे–धीरे सफलता की ओर बढ़ेंगे

कुंभ राशि: के जातक रचनात्मक, स्वतंत्र सोच वाले और भविष्य की सोच रखने वाले होते हैं। आज आपके नए विचार आपको अलग पहचान दिला सकते हैं।

मीन राशि: के लोग भावुक, कल्पनाशील और आध्यात्मिक प्रवृत्ति के होते हैं। आज आप अपने अंदर की दुनिया पर ज्यादा ध्यान देंगे।

शनि नक्षत्र परिवर्तन 2026

17 मई को इन राशियों की बदलेगी किस्मत

यूनिक समय, मथुरा। ज्योतिष शास्त्र में शनि देव को न्याय और कर्मफल देने वाला ग्रह माना जाता है। शनि का गोचर और नक्षत्र परिवर्तन जीवन पर गहरा प्रभाव डालता है। वर्ष 2026 में 17 मई को शनि देव रेवती नक्षत्र में प्रवेश करने जा रहे हैं। यह गोचर विशेष रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि शनि लंबे समय तक एक ही नक्षत्र में रहकर कई राशियों के जीवन में बड़े बदलाव लाते हैं।

शनि का रेवती नक्षत्र में गोचर कब तक रहेगा- शनि देव 17 मई 2026 को रेवती नक्षत्र में प्रवेश करेंगे और लगभग 9 अक्टूबर तक इसी नक्षत्र में रहेंगे। इस अवधि में कर्मों का फल तेजी से मिलने की संभावना रहती है। जिन लोगों ने मेहनत की है, उन्हें इसका अच्छा परिणाम मिलेगा।

शनि नक्षत्र परिवर्तन का सामान्य प्रभाव- शनि का यह नक्षत्र परिवर्तन जीवन में स्थिरता और बदलाव दोनों लेकर आता है। यह समय कर्मों के

आधार पर फल देने वाला होता है। कुछ लोगों के लिए यह अवसर लेकर आता है, तो कुछ के लिए धैर्य और अनुशासन की परीक्षा भी ले सकता है।

मेष राशि पर प्रभाव- मेष राशि वालों के लिए यह समय अत्यंत शुभ माना जा रहा है। नौकरी में परिवर्तन के अवसर मिल सकते हैं और मनचाही नौकरी प्राप्त होने की संभावना है। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और आय के नए स्त्रोत बन सकते हैं।

वृषभ राशि पर प्रभाव- वृषभ राशि के जातकों के लिए शनि का यह गोचर सकारात्मक परिणाम देने वाला होगा। आर्थिक स्थिति में सुधार देखने को मिलेगा और लंबे समय से रुके हुए कार्य पूरे हो सकते हैं।

कन्या राशि पर प्रभाव- कन्या राशि के लोगों के लिए यह समय करियर के लिहाज से बहुत अच्छा रहेगा। नौकरी में नए अवसर और प्रमोशन की संभावना बन सकती है।

वृश्चिक राशि पर प्रभाव- वृश्चिक राशि वालों के लिए यह गोचर विशेष लाभकारी रहेगा। लंबे समय से अटके हुए कार्य पूरे हो सकते हैं और आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी। शनि का रेवती नक्षत्र में गोचर 2026 कई राशियों के लिए महत्वपूर्ण बदलाव लेकर आ रहा है। यह समय मेहनत करने वालों के लिए सफलता और प्रगति का अवसर बन सकता है। हालांकि हर स्थिति में धैर्य, अनुशासन और सही निर्णय लेना जरूरी होगा, क्योंकि शनि देव कर्मों के अनुसार ही फल देते हैं।

पिता का आचरण ही बनाता है बेटी का भविष्य: चाणक्य की अहम सीख

यूनिक समय, मथुरा। आचार्य चाणक्य भारतीय इतिहास के महान विद्वान और नीतिकार माने जाते हैं। उनकी "चाणक्य नीति" जीवन के हर पहलू को सरल और व्यावहारिक तरीके से समझाती है। विशेष रूप से परिवार, संबंध और पालन–पोषण से जुड़ी उनकी शिक्षाएं आज भी उतनी ही प्रासंगिक हैं।

चाणक्य ने बेटी की परवरिश को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया है और पिता के लिए कुछ विशेष जिम्मेदारियों का उल्लेख किया है। यदि इन बातों का ध्यान न रखा जाए तो परिवार में तनाव और अस्थिरता उत्पन्न हो सकती है।

बेटी को स्वतंत्र और आत्मनिर्भर बनाना जरूरी- चाणक्य नीति के अनुसार पिता को अपनी बेटी पर अनावश्यक रोक–टोक नहीं करनी चाहिए। बेटी को हर कदम पर नियंत्रित करना उसके आत्मविश्वास को कमजोर कर सकता है। पिता का कर्तव्य है कि वह अपनी बेटी को इतना सक्षम बनाए कि वह अपने निर्णय स्वयं ले सके। उसे शिक्षा, आत्मनिर्भरता और सही–गलत की समझ देना जरूरी है। अत्यधिक प्रतिबंध उसके व्यक्तित्व को दबा सकता है और उसके

विकास में बाधा बन सकता है। पिता का आचरण बेटी के जीवन पर असर डालता है, चाणक्य कहते हैं कि पिता स्वयं बेटी के लिए पहला आदर्श होता है। बेटी अपने पिता को देखकर ही जीवन के मूल्य सीखती है। यदि पिता का आचरण सही और अनुशासित होगा, तो बेटी भी अच्छे संस्कारों को अपनाएगी। लेकिन यदि पिता का व्यवहार गलत होगा, तो उसका सीधा असर बेटी के व्यक्तित्व और सोच पर पड़ सकता है। इससे परिवार में असंतुलन और गलत दिशा में जाने की संभावना बढ़ सकती है।

बेटी की सुरक्षा पिता का सबसे बड़ा धर्म- चाणक्य नीति में स्पष्ट कहा गया है कि बेटी की सुरक्षा पिता का सबसे महत्वपूर्ण धर्म है। यह सुरक्षा केवल शारीरिक ही नहीं, बल्कि मानसिक और सामाजिक भी होनी चाहिए। पिता को अपनी बेटी के आसपास के माहौल पर ध्यान देना चाहिए और उसे सुरक्षित वातावरण प्रदान करना चाहिए। साथ ही, उसे आत्मरक्षा और सही–गलत की पहचान करना भी सिखाना चाहिए। यह जिम्मेदारी बेटी के उज्ज्वल भविष्य के लिए अत्यंत आवश्यक है।

बेटी के विवाह में समझदारी जरूरी- चाणक्य नीति के अनुसार बेटी का विवाह जल्दबाजी में नहीं करना चाहिए। पिता को जीवनसाथी चुनते समय पूरी समझदारी और धैर्य का परिचय देना चाहिए। सही वर का चयन बेटी के जीवन को सुखमय बना सकता है, जबकि गलत निर्णय उसके जीवन में कठिनाइयाँ ला सकता है। इसलिए विवाह से पहले परिवार, संस्कार, व्यवहार और भविष्य की संभावनाओं पर गहराई से विचार करना चाहिए। चाणक्य मानते हैं कि विवाह केवल एक सामाजिक परंपरा नहीं, बल्कि एक महत्वपूर्ण जीवन निर्णय है। चाणक्य नीति की ये शिक्षाएं आज भी उतनी ही उपयोगी हैं जितनी प्राचीन समय में थीं।

सम्पादकीय

चमकते सितारे नहीं, पूरा आकाश रोशन हो

शिक्षा का उद्देश्य केवल कुछ प्रतिभाशाली छात्रों को ऊंचाइयों तक पहुंचाना नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग को ज्ञान और अवसर की रोशनी से जोड़ना होना चाहिए। लेकिन भारत की उच्च शिक्षा व्यवस्था आज एक गहरे विरोधाभास से गुजर रही है। एक ओर चुनिंदा संस्थान वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना रहे हैं, वहीं दूसरी ओर अधिकांश कॉलेज और विश्वविद्यालय संसाधनों, गुणवत्ता और अवसरों की कमी से जूझ रहे हैं।

आज स्थिति यह है कि शिक्षा व्यवस्था में एक तरह का "एलीट द्वीप" बन गया है, जहां सीमित संख्या में छात्र बेहतरीन सुविधाओं और अवसरों का लाभ उठा रहे हैं। दूसरी तरफ, बड़ी संख्या में छात्र ऐसे संस्थानों में पढ़ रहे हैं जहां न पर्याप्त संसाधन हैं, न प्रशिक्षित शिक्षक और न ही आधुनिक बुनियादी ढांचा। यह असमानता केवल शिक्षा तक सीमित नहीं रहती, बल्कि आगे चलकर रोजगार और सामाजिक अवसरों में भी स्पष्ट दिखाई देती है।

पवन गौतम
संपादक

सबसे बड़ी चिंता यह है कि डिग्री हासिल करने के बाद भी युवाओं को रोजगार नहीं मिल पा रहा। बड़ी संख्या में स्नातक ऐसे हैं, जिनके पास कागजी योग्यता तो है, लेकिन व्यावहारिक कौशल की कमी है। इससे "डिग्री मुद्रास्फीति" जैसी स्थिति पैदा हो रही है—डिग्रियां बढ़ रही हैं, लेकिन उनकी उपयोगिता घटती जा रही है। यह न केवल युवाओं के आत्मविश्वास को प्रभावित करता है, बल्कि देश की आर्थिक प्रगति को भी धीमा करता है।

इस कॉलम को मोबाइल पर सुनने के लिए QR कोड को स्कैन करें।

समस्या का समाधान केवल शिक्षा के विस्तार में नहीं, बल्कि उसकी गुणवत्ता और समानता में छिपा है। जरूरी है कि बजट और संसाधनों का संतुलित वितरण किया जाए, ताकि हर संस्थान न्यूनतम मानकों को पूरा कर सके। साथ ही, पाठ्यक्रमों को उद्योग की जरूरतों के अनुरूप बनाना होगा, ताकि शिक्षा और रोजगार के बीच की खाई कम हो सके। डिजिटल तकनीक इस दिशा में एक बड़ा माध्यम बन सकती है। ऑनलाइन शिक्षा, वर्चुअल क्लासरूम और स्किल–बेस्ड प्लेटफॉर्म के जरिए दूरदराज के छात्रों तक भी बेहतर शिक्षा पहुंचाई जा सकती है। लेकिन इसके लिए तकनीकी ढांचे और डिजिटल साक्षरता पर भी समान ध्यान देना होगा। अंततः, शिक्षा को प्रतिस्पर्धा का नहीं, समावेशन का माध्यम बनाना होगा। जब तक हर छात्र को समान अवसर नहीं मिलेगा, तब तक समाज का संतुलित विकास संभव नहीं है। असली सफलता तब होगी, जब कुछ सितारे नहीं, बल्कि पूरा आकाश रोशन होगा।

नजरिया

बंगाल का जनादेश : बदलाव की आहट, राजनीति का नया मोड़

प्रेम शुक्ल

पश्चिम बंगाल के हालिया चुनाव परिणामों ने भारतीय राजनीति में एक बार फिर हलचल पैदा कर दी है। यह केवल एक राज्य का चुनावी नतीजा नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर चल रही वैचारिक, राजनीतिक और सामाजिक बहसों का प्रतिबिंब भी है। सत्ता परिवर्तन हो या जनसमर्थन में बदलाव—हर चुनाव अपने साथ कई संकेत लेकर आता है। बंगाल का जनादेश भी इसी तरह कई परतों में पढ़ा और समझा जाना चाहिए।

सबसे पहले, यह स्वीकार करना होगा कि बंगाल की राजनीति ऐतिहासिक रूप से विशिष्ट रही है। यहां वैचारिक राजनीति, सांस्कृतिक पहचान और सामाजिक समीकरण हमेशा महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे हैं। ऐसे में जब कोई बड़ा राजनीतिक परिवर्तन होता है, तो उसे केवल जीत–हार के चश्मे से देखना अधूरा विश्लेषण होगा। यह जनादेश जनता की अपेक्षाओं, असंतोष, आकांक्षाओं और विकल्पों के बीच संतुलन का परिणाम होता है।

चुनावी परिणामों को देखने का एक नजरिया यह है कि मतदाताओं ने बदलाव की इच्छा जाहिर की है। लंबे समय तक सत्ता में रही सरकारों के प्रति स्वाभाविक रूप से एक थकान पैदा होती है, जिसे एंटी–इंकम्बेंसी कहा जाता है। बंगाल में भी यह कारक प्रभावी रहा हो सकता है। इसके साथ ही स्थानीय मुद्दे—जैसे रोजगार, कानून–व्यवस्था, भ्रष्टाचार के आरोप और प्रशासनिक कार्यशैली—मतदाताओं के निर्णय को प्रभावित करते हैं।

दूसरी ओर, यह भी सच है कि राष्ट्रीय राजनीति का प्रभाव अब राज्यों के चुनावों में पहले से कहीं अधिक दिखाई देता है। केंद्र सरकार की नीतियां, नेतृत्व की छवि और राष्ट्रीय स्तर पर बनी राजनीतिक धारणा भी मतदाताओं के फैसले को प्रभावित करती है। ऐसे में यह कहना कि यह जनादेश केवल राज्य सरकार के खिलाफ था या केवल केंद्र के समर्थन में—दोनों ही सरलीकरण होंगे। वास्तविकता इन दोनों के बीच कहीं मौजूद है।

इस चुनाव ने एक और महत्वपूर्ण पहलू को उजागर किया है—राजनीतिक विमर्श की दिशा। आज की राजनीति में "विकास", "पहचान", "सुरक्षा" और "कल्याण" जैसे मुद्दे एक साथ चल रहे हैं। मतदाता अब केवल एक ही मुद्दे पर वोट नहीं करता, बल्कि कई कारकों को ध्यान में रखकर अपना निर्णय लेता है। बंगाल में भी यही देखने को मिला, जहां अलग–अलग वर्गों की अलग–अलग प्राथमिकताएं थीं।

हालांकि, चुनावी बयानबाजी में अक्सर आरोप–प्रत्यारोप और तीखे शब्दों का इस्तेमाल होता है। "तुष्टिकरण", "भय की राजनीति" या "भ्रष्टाचार" जैसे शब्द राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बन जाते हैं। लेकिन एक संपादकीय दृष्टिकोण से यह जरूरी है कि इन शब्दों के पीछे की वास्तविकता को संतुलित तरीके से परखा जाए। किसी भी राज्य या सरकार के बारे में व्यापक निष्कर्ष निकालने से पहले तथ्यों, आंकड़ों और विभिन्न पक्षों को समझना जरूरी होता है।

बंगाल के संदर्भ में सामाजिक सौहार्द और सांस्कृतिक विविधता भी एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। यह राज्य हमेशा से विभिन्न धर्मों, भाषाओं और संस्कृतियों का संगम रहा है। ऐसे में कोई भी राजनीतिक बदलाव इस संतुलन को कैसे प्रभावित करेगा, यह एक अहम सवाल है। लोकतंत्र की ताकत इसी में है कि वह विविधता को समेटकर आगे बढ़े, न कि उसे विभाजन का कारण बनाए।

इसके अलावा, चुनाव परिणामों के बाद राजनीतिक दलों और नेताओं की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो जाती है। जीतने वाली पार्टी के लिए यह जिम्मेदारी का समय होता है—वह अपने वादों को कैसे पूरा करती है, प्रशासन को कैसे चलाती है और सभी वर्गों का विश्वास कैसे बनाए रखती है। वहीं हारने वाले दलों के लिए यह आत्ममंथन का अवसर होता है—वे अपनी रणनीति, नेतृत्व और जनता से जुड़ाव को कैसे बेहतर बनाते हैं।

राष्ट्रीय स्तर पर भी इस जनादेश के कई निहितार्थ हैं। यह स्पष्ट संकेत देता है कि भारतीय मतदाता अब अधिक जागरूक और निर्णायक हो चुका है। वह किसी भी दल को स्थायी समर्थन देने के बजाय प्रदर्शन के आधार पर अपना फैसला बदल सकता है। यह लोकतंत्र के लिए एक सकारात्मक संकेत है, क्योंकि इससे जवाबदेही बढ़ती है।

हालांकि, एक चिंता का विषय यह भी है कि क्या हमारी राजनीति अत्यधिक ध्रुवीकरण की ओर बढ़ रही है? चुनावों के दौरान जिस तरह की भाषा और मुद्दों का इस्तेमाल होता है, वह समाज में विभाजन की रेखाओं को गहरा कर सकता है। ऐसे में सभी राजनीतिक दलों और नेताओं की जिम्मेदारी है कि वे संवाद को संयमित और रचनात्मक बनाए रखें।

बंगाल का यह जनादेश हमें यह भी याद दिलाता है कि लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने की जिम्मेदारी भी है। सत्ता परिवर्तन तभी सार्थक होता है, जब वह लोगों के जीवन में वास्तविक बदलाव लाए—बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सुरक्षा के रूप में।

अंततः, यह कहना उचित होगा कि बंगाल के चुनाव परिणाम एक बड़े परिवर्तन की ओर इशारा करते हैं, लेकिन यह परिवर्तन किस दिशा में जाएगा, यह आने वाले समय में स्पष्ट होगा। यह केवल एक राजनीतिक घटना नहीं, बल्कि एक प्रक्रिया की शुरुआत है, जिसमें जनता, सरकार और समाज सभी की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। इसलिए, जरूरी है कि इस जनादेश को उत्साह या निराशा के बजाय समझ और जिम्मेदारी के साथ देखा जाए। यही लोकतंत्र की असली ताकत है—हर चुनाव एक नई शुरुआत का अवसर देता है।

विचार विण्डो

वंदे मातरम पर नया कानून, सम्मान या मजबूरी?

बोध प्रकाश सगुणी

भारत की सांस्कृतिक और राष्ट्रीय पहचान में "वंदे मातरम" का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान यह गीत केवल एक रचना नहीं, बल्कि एक आंदोलन, एक भावना और एक प्रेरणा का स्रोत बना। अब केंद्र सरकार द्वारा इसे राष्ट्रगान के समान दर्जा देने और इसके अपमान या गायन में बाधा पर दंडात्मक प्रावधान लागू करने के प्रस्ताव ने एक नई बहस को जन्म दिया है। यह निर्णय भावनात्मक रूप से कई लोगों को गर्व से भर देता है, वहीं दूसरी ओर यह संवैधानिक, सामाजिक और लोकतांत्रिक दृष्टिकोण से कई सवाल भी खड़े करता है।

सबसे पहले, यह समझना जरूरी है कि "वंदे मातरम" और "जन गण मन" दोनों ही भारत की पहचान के महत्वपूर्ण प्रतीक हैं, लेकिन उनकी संवैधानिक स्थिति अलग रही है। "जन गण मन" आधिकारिक राष्ट्रगान है, जबकि "वंदे मातरम" को राष्ट्रीय गीत का दर्जा प्राप्त है। दोनों के बीच यह अंतर ऐतिहासिक और संवैधानिक विचार–विमर्श का परिणाम है, जिसमें देश की विविधता और संवेदनशीलताओं को ध्यान में रखा गया था।

कैबिनेट के इस प्रस्ताव के अनुसार, "वंदे मातरम" को भी वही कानूनी संरक्षण मिलेगा जो अभी राष्ट्रगान को प्राप्त है। इसका मतलब है कि अगर कोई व्यक्ति इसके गायन में बाधा डालता है या अपमान करता है, तो उसे जेल या जुर्माने का सामना करना पड़ सकता है। पहली नजर में यह कदम देशभक्ति और राष्ट्रीय सम्मान को मजबूत करने वाला प्रतीत होता है। लेकिन सवाल यह उठता है कि क्या देशभक्ति को कानून के जरिए लागू किया जा सकता है?

लोकतांत्रिक व्यवस्था में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता एक मूलभूत अधिकार है। हर नागरिक को यह अधिकार है कि वह किसी भी प्रतीक, विचार या परंपरा के प्रति अपनी राय व्यक्त कर सके, बशर्ते वह हिंसा या नफरत को बढ़ावा न दे। ऐसे में, अगर "वंदे मातरम" के गायन को अनिवार्य या उसके सम्मान को कानून के जरिए बाध्य किया जाता है, तो यह स्वतंत्रता के अधिकार से टकराव पैदा कर सकता है।

इतिहास गवाह है कि जब भी किसी भावना को कानून के माध्यम से थोपा जाता है, तो वह स्वाभाविक सम्मान के बजाय विवाद का कारण बन जाती है। "वंदे मातरम" का महत्व उसकी स्वीकृति और भावनात्मक जुड़ाव में है, न कि दंड के भय में। अगर लोग इसे दिल से सम्मान देते हैं, तो उसकी गरिमा अपने आप बनी रहती है।

इसके अलावा, भारत एक बहु–धार्मिक और बहु–सांस्कृतिक देश है। यहां विभिन्न समुदायों की अपनी–अपनी मान्यताएं और संवेदनशीलताएं हैं। अतीत में भी "वंदे मातरम" को लेकर कुछ धार्मिक समूहों ने आपत्ति जताई है, खासकर इसके कुछ हिस्सों को लेकर। ऐसे में, यदि इसे कानूनी रूप से बाध्यकारी बनाया जाता है, तो यह सामाजिक सौहार्द पर असर डाल सकता है।

हालांकि, सरकार का यह तर्क भी महत्वपूर्ण है कि राष्ट्रीय प्रतीकों का सम्मान सुनिश्चित करना जरूरी है। राष्ट्रीय ध्वज, संविधान और राष्ट्रगान की तरह "वंदे मातरम" भी देश की अस्मिता का हिस्सा है। लेकिन सम्मान और डर में एक बारीक अंतर होता है। जहां सम्मान दिल से आता है, वहीं डर कानून से पैदा होता है। एक स्वस्थ लोकतंत्र में प्राथमिकता सम्मान को बढ़ावा देने की होनी चाहिए, न कि डर पैदा करने की।

इस प्रस्ताव का एक सकारात्मक पहलू यह हो सकता है कि इससे लोगों में "वंदे मातरम" के प्रति जागरूकता और जुड़ाव बढ़े। नई पीढ़ी, जो शायद इस गीत के ऐतिहासिक महत्व से पूरी तरह परिचित नहीं है, वह इसे नए नजरिए से समझ सकेगी। लेकिन इसके लिए शिक्षा, संवाद और सांस्कृतिक कार्यक्रम ज्यादा प्रभावी माध्यम हो सकते हैं, बजाय कठोर कानूनी प्रावधानों के।

अंततः, यह मुद्दा केवल एक गीत के दर्जे का नहीं, बल्कि उस सोच का है जिसके तहत हम अपने राष्ट्रीय प्रतीकों को देखते हैं। क्या हम उन्हें स्वाभाविक रूप से सम्मान देने वाले नागरिक बनाना चाहते हैं, या फिर कानून के डर से पालन करने वाले? यह निर्णय नीति निर्माताओं के साथ–साथ समाज को भी लेना होगा। "वंदे मातरम" भारत की आत्मा का प्रतीक है। इसे सम्मान देने के लिए कानून की नहीं, बल्कि समझ, संवेदना और स्वाभाविक गर्व की जरूरत है। अगर यह संतुलन बनाए रखा जाए, तो यह निर्णय देश की एकता और संस्कृति को मजबूत कर सकता है। लेकिन अगर इसे थोपने का प्रयास किया गया, तो यह अनावश्यक विवाद और विभाजन का कारण भी बन सकता है।

इसलिए, समय की मांग है कि इस मुद्दे पर व्यापक संवाद हो, सभी पक्षों की बात सुनी जाए और ऐसा रास्ता निकाला जाए जो देशभक्ति और लोकतंत्र दोनों की भावना को संतुलित रख सके।

आईपीएल 2026: फाइनल का मैदान तय

नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होगा खिताबी मुकाबला

यूनिक समय, नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के रोमांचक सीजन में अब प्लेऑफ को लेकर तस्वीर साफ हो गई है। लीग चरण के मुकाबले जारी हैं, लेकिन फैंस के मन में सबसे बड़ा सवाल था कि इस बार फाइनल और अन्य नॉकआउट मैच कहां खेले जाएंगे। अब इस सस्पेंस से पर्दा उठ चुका है और सभी प्रमुख मुकाबलों के वेन्यू का ऐलान कर दिया गया है।

आईपीएल 2026 का लीग स्टेज 24 मई को समाप्त होगा। इस दिन दो अहम मुकाबले खेले जाएंगे। पहला मैच मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस और राजस्थान रॉयल्स के बीच होगा। वहीं दूसरा मुकाबला कोलकाता के ईडन गार्डेंस में कोलकाता नाइट राइडर्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच खेला जाएगा।

धर्मशाला से मुल्लांपुर तक: यहां खेले जाएंगे नॉकआउट मुकाबले

इसके बाद अंक तालिका में टॉप 4 में रहने वाली टीमें प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की करेंगी, जबकि बाकी छह टीमें टूर्नामेंट से बाहर हो जाएंगी। आईपीएल 2026 का फाइनल 31 मई (रविवार) को खेला जाएगा। इस बार खिताबी मुकाबले की मेजबानी अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम को दी गई है। पहले कयास लगाए जा रहे थे कि फाइनल बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में हो सकता है, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अब दुनिया के सबसे बड़े क्रिकेट स्टेडियम में यह हाई-वोल्टेज मैच खेला जाएगा, जहां इस सीजन का चैंपियन तय होगा। फाइनल के अलावा प्लेऑफ के बाकी मुकाबलों के स्थान भी तय कर दिए गए हैं।

पहला क्वालीफायर 26 मई को धर्मशाला में खेला जाएगा। वहीं एलिमिनेटर (27 मई) और दूसरा क्वालीफायर (29 मई) न्यू चंडीगढ़ के मुल्लांपुर स्टेडियम में आयोजित होंगे। इस बार बेंगलुरु को किसी भी प्लेऑफ मैच की मेजबानी नहीं मिली है, जिसके पीछे कुछ विशेष कारण बताए जा रहे हैं।

एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट विश्व कप 2027: नेपाल की जीत से जगी उम्मीदें

यूनिक समय, नई दिल्ली। वनडे वर्ल्ड कप 2027 अभी भले ही दूर हो, लेकिन इसकी तैयारी जोरों पर चल रही है। इस समय आईसीसी क्रिकेट विश्व कप लीग 2 के मुकाबले खेले जा रहे हैं, जहां टीमें विश्व कप में जगह बनाने के लिए संघर्ष कर रही हैं। इसी बीच भारत के पड़ोसी देश नेपाल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ओमान को हराकर अपनी उम्मीदों को जिंदा रखा है।

इस मुकाबले में नेपाल ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 256 रन बनाए। जवाब में ओमान की टीम केवल 175 रन पर सिमट गई। इस तरह नेपाल ने 81 रन से बड़ी जीत दर्ज की। यह जीत नेपाल के लिए बेहद अहम मानी जा रही है, क्योंकि इससे टीम को अंक तालिका में दो महत्वपूर्ण अंक मिले हैं। हालांकि जीत के बावजूद नेपाल की राह आसान नहीं है। टीम के पास फिलहाल 18 अंक हैं, लेकिन वह अभी भी सातवें स्थान पर बनी हुई है। वहीं संयुक्त राज्य अमेरिका की टीम अंक तालिका में पहले स्थान पर चल रही है। नेपाल को टॉप 4 में पहुंचने के लिए नीदरलैंड्स और ओमान जैसी टीमों को पीछे छोड़ना होगा। तभी वह सीधे विश्व कप क्वालीफायर में जगह बना सकेगा। नेपाल के पास विश्व कप 2027 में पहुंचने के दो रास्ते हैं। पहला, टीम अपने बचे हुए मुकाबलों में 8-9 मैच जीतकर टॉप 4 में जगह बनाए। दूसरा, अगर ऐसा नहीं होता है तो उसे क्वालीफायर प्लेऑफ खेलना होगा, जहां से आगे बढ़कर मुख्य क्वालीफायर में पहुंचा जा सकता है।

आईपीएल 2026: ऑरेंज कैप की रेस में बड़ा उलटफेर

यूनिक समय, नई दिल्ली। आईपीएल 2026 में ऑरेंज कैप की रेस अब बेहद रोमांचक हो गई है। हाल ही में हुए मुकाबले में संजू सैमसन की शानदार पारी ने इस दौड़ में बड़ा बदलाव ला दिया है। उनकी दमदार बल्लेबाजी की बदौलत टीम को जीत मिली और वह टॉप 5 बल्लेबाजों में अपनी जगह बनाने में सफल रहे।

इस समय सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज के रूप में केएल राहुल ने पहला स्थान हासिल कर लिया है। उन्होंने अभिषेक शर्मा को पीछे छोड़ते हुए ऑरेंज कैप अपने नाम कर ली है।

राहुल ने 10 मैचों में 445 रन बनाए हैं, जबकि अभिषेक शर्मा 440 रन के साथ दूसरे स्थान पर हैं। दोनों के बीच बेहद कम अंतर होने के कारण यह रेस अभी पूरी तरह खुली हुई है। संजू सैमसन ने 10 मैचों में 402 रन बनाकर टॉप 5 में जगह बना ली है।

खास बात यह है कि उनका औसत सबसे ज्यादा है, जो उन्हें बाकी खिलाड़ियों से अलग बनाता है। इसके अलावा अन्य बल्लेबाज भी इस रेस में मजबूती से बने हुए हैं, जिससे प्रतिस्पर्धा और कड़ी हो गई है। दिल्ली के खिलाफ खेले गए मुकाबले में सैमसन ने 52 गेंदों में 87 रन की शानदार पारी खेली।

स्टारडम से दूर, ओलंपिक गोल्ड है सपना

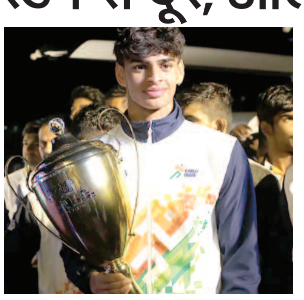

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता आर माधवन के बेटे वेदांत माधवन ने फिल्मी दुनिया से अलग अपनी पहचान बनाने का रास्ता चुना है। जहां ज्यादातर स्टारकिड्स एक्टिंग या डायरेक्शन में करियर बनाना चाहते हैं, वहीं वेदांत का लक्ष्य खेलों में देश का नाम रोशन करना है। वह एक प्रोफेशनल स्विमर हैं और ओलंपिक में गोल्ड मेडल जीतने का सपना देखते हैं।

वेदांत फिलहाल दुबई में पढ़ाई के साथ-साथ स्विमिंग की ट्रेनिंग ले रहे हैं। उनका रूटीन बेहद अनुशासित है-सुबह 4:30 बजे उठकर कई घंटे तक अभ्यास करना और फिर शाम को दोबारा पूल में उतरना उनकी दिनचर्या का हिस्सा है। वेदांत का फोकस पूरी तरह खेल पर है। वह रोजाना करीब 4 घंटे स्विमिंग प्रैक्टिस करते हैं। उनका सपना साफ है-ओलंपिक में गोल्ड जीतकर भारत का नाम रोशन करना।

प्रभास की फिल्म 'फौजी' की शूटिंग रुकी: हैदराबाद में दर्दनाक हादसा

हादसे में यूनिट के एक सदस्य की हुई मौत

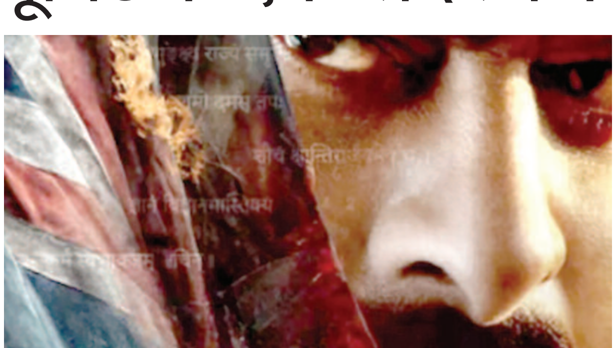

यूनिक समय, नई दिल्ली। साउथ सुपरस्टार प्रभास की आने वाली फिल्म 'फौजी' की शूटिंग एक बड़े हादसे के बाद रोक दी गई है। यह घटना हैदराबाद के पास उस समय हुई जब फिल्म की यूनिट शूटिंग लोकेशन की ओर जा रही थी। इस हादसे में यूनिट के एक सदस्य की मौत हो गई, जबकि पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। इस घटना ने पूरी फिल्म इंडस्ट्री को झकझोर कर रख दिया है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म की टीम शूटिंग के लिए रामोजी फिल्म सिटी जा रही थी। इसी दौरान उनका वाहन अब्दुल्लापुरमेट के पास अनियंत्रित होकर सड़क के डिवाइडर से टकरा गया। यह हादसा चाउटुप्पल पुलिस स्टेशन क्षेत्र के टूप्रानपेट ब्रिज के पास हुआ। टक्कर इतनी भीषण थी कि एक यूनिट सदस्य की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अन्य घायल सदस्यों को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

इस दुखद घटना के बाद फिल्म 'फौजी' की शूटिंग को तत्काल प्रभाव से रोक दिया गया है। प्रोडक्शन टीम ने फिलहाल सभी शूटिंग शेड्यूल स्थगित कर दिए हैं। बताया जा रहा है कि फिल्म का लगभग 80 प्रतिशत काम पहले ही पूरा हो चुका है, और केवल कुछ एक्शन सीक्वेंस की शूटिंग बाकी थी। लेकिन इस हादसे के बाद आगे की शूटिंग को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। हादसे के बाद पूरी यूनिट में शोक का माहौल है। फिल्म से जुड़े सभी सदस्य इस घटना से गहरे सदमे में हैं। प्रभास और प्रोडक्शन टीम की ओर से भी शोक व्यक्त किया गया है, हालांकि अभी तक आधिकारिक बयान का इंतजार है।

प्रभास की यह फिल्म पहले से ही अपने बड़े बजट और एक्शन सीक्वेंस के लिए चर्चा में थी। लेकिन इस हादसे ने फिल्म की प्रगति पर सवाल खड़े कर दिए हैं। फैंस भी सोशल मीडिया पर हादसे को लेकर चिंता जता रहे हैं और दिवंगत सदस्य के लिए श्रद्धांजलि दे रहे हैं।

सोहम शाह की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'तुम्बाड 2' सुर्खियों में बनी

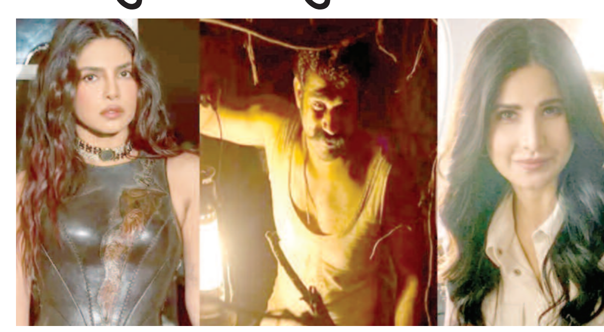

यूनिक समय, नई दिल्ली। सोहम शाह की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'तुम्बाड 2' लगातार सुर्खियों में बनी हुई है। पहले ही पार्ट की तरह इस बार भी फिल्म से दर्शकों को रहस्य, डर और रोमांच का बड़ा अनुभव मिलने वाला है। मेकर्स ने हाल ही में फिल्म की शूटिंग शुरू होने की घोषणा की थी, जिसके बाद से ही फैंस की उत्सुकता और बढ़ गई है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट को 'तुम्बाड 2' की कास्ट में शामिल किया गया है। बताया जा रहा है कि आलिया को फिल्म में एक अहम लेकिन छोटा किरदार (कैमियो रोल) मिला है, जिसकी शूटिंग उन्होंने 3 मई से शुरू भी कर दी है। हालांकि मेकर्स ने अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं की है, लेकिन खबरों के मुताबिक उनका रोल कम स्क्रीन टाइम वाला होने के बावजूद कहानी में काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। फिल्म की शूटिंग मुंबई के माढ़ द्वीप में बनाए गए एक बड़े और भव्य सेट पर हो रही है। कहा जा रहा है कि इस बार कहानी पहले से ज्यादा डरावनी और रहस्यमयी होने वाली है। फिल्म में हस्तर देवता से जुड़ी पौराणिक और शापित कथाओं को और गहराई से दिखाया जाएगा, जो दर्शकों को एक अलग ही दुनिया में ले जाएगा

'तुम्बाड 2' में सोहम शाह के साथ नवाजुद्दीन सिद्दीकी भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। मेकर्स ने फिल्म का पोस्टर और रिलीज डेट भी जारी कर दी है। यह फिल्म 3 दिसंबर 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। कुल मिलाकर, आलिया भट्ट की एंट्री और दमदार स्टारकास्ट के साथ 'तुम्बाड 2' पहले से ही दर्शकों के बीच बड़ी उम्मीदें जगा रही है।

मेट गाला 2026 डेब्यू पर करण जौहर हुए भावुक

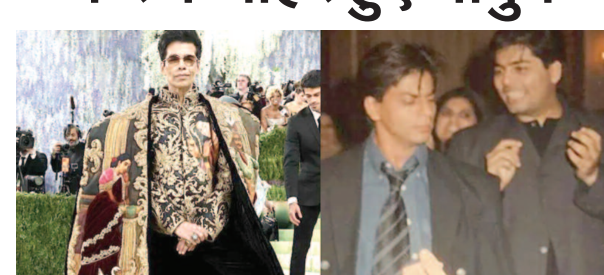

यूनिक समय, नई दिल्ली। फिल्म निर्माता करण जौहर इस समय अपने मेट गाला 2026 डेब्यू को लेकर चर्चा में हैं। इस खास इवेंट में उन्होंने मशहूर डिजाइनर मनीष मल्होत्रा द्वारा डिजाइन किया गया एक यूनिक आउटफिट पहना, जो राजा रवि वर्मा की पेंटिंग्स से प्रेरित था। उनका यह लुक भारतीय कला और संस्कृति को वैश्विक मंच पर खूबसूरती से दर्शाता नजर आया।

मेट गाला में डेब्यू के बाद करण जौहर ने अपने करीबी दोस्त और सुपरस्टार शाहरुख खान का खास तौर पर जिक्र किया। उन्होंने कहा कि उनके करियर की शुरुआत और सफलता में शाहरुख खान का बड़ा योगदान रहा है। करण ने भावुक होकर कहा कि वह आज जिस मुकाम पर हैं, उसमें शाहरुख खान का बहुत बड़ा हाथ है और वह उन्हीं की वजह से इस जगह तक पहुंच पाए हैं। बीबीसी को दिए इंटरव्यू में करण जौहर ने कहा कि शाहरुख खान उनके जीवन और करियर का अहम हिस्सा रहे हैं। उन्होंने बताया कि उनकी शुरुआती कई फिल्मों में शाहरुख ने काम किया, जिसने उनके निर्देशन करियर को मजबूत पहचान दिलाई। करण ने कहा कि यह उनके लिए बेहद भावुक पल है क्योंकि शाहरुख ने पिछले साल मेट गाला में डेब्यू किया था और अब वह खुद इस मंच पर पहुंचे हैं।

मेरठ में अवैध हथियार फैक्टरी का भंडाफोड़

मास्टरमाइंड समेत चार आरोपी गिरफ्तार

यूनिक समय, मेरठ । इंचौली थाना क्षेत्र में पुलिस और स्वाट टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए खरदौनी के जंगल में चल रही अवैध हथियार फैक्टरी का भंडाफोड़ किया है। इस ऑपरेशन में मास्टरमाइंड इमरान समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। चौंकाने वाली बात यह है कि इस गिरोह में एक बीसीए छात्र भी शामिल था, जो हथियारों की सप्लाई का काम करता था।

पुलिस के अनुसार, मुख्य आरोपी इमरान पहले भी अवैध शस्त्र फैक्टरी चलाने के मामले में जेल जा चुका है। करीब 25 साल पहले सजा काटने के बाद वह फिर सक्रिय हो गया और बड़े स्तर पर हथियार बनाने लगा। उसने दोबारा अपना नेटवर्क तैयार कर लिया

बीसीए का छात्र निकला हथियार सप्लायर चौंकाने वाला खुलासा

25 साल बाद फिर सक्रिय हुआ मास्टरमाइंड इमरान

था और कई इलाकों में सप्लाई कर रहा था। जांच में सामने आया कि गिरोह में शामिल बीसीए छात्र उमंग ठाकुर ने अपनी मौसी के घर पर भी हथियार छिपा रखे थे। पुलिस आरोपियों की निशानदेही पर अन्य हथियारों की बरामदगी में जुटी है। पुलिस ने मौके से अधबने और तैयार तमंचों के साथ भारी मात्रा में हथियार बनाने का सामान बरामद किया है। इसमें स्प्रिंग, नाल, ड्रिल मशीन, ग्राइंडर, वेल्डिंग मशीन और अन्य औजार शामिल हैं। यह फैक्टरी लंबे समय से सक्रिय थी और बड़े पैमाने पर अवैध हथियार तैयार किए जा रहे थे। एसएसपी के मुताबिक, गिरोह में हर सदस्य की अलग जिम्मेदारी थी। इमरान हथियार बनाता था, कुलदीप सप्लाई का काम संभालता था, जबकि नरेंद्र नेटवर्क का समन्वय करता था। वहीं बीसीए छात्र ऑन–डिमांड डिलीवरी करता था।

जनता दर्शन में सीएम योगी का बड़ा निर्देश

हर जरूरतमंद का बने आयुष्मान कार्ड

यूनिक समय, लखनऊ । सीएम योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान आयोजित जनता दर्शन में लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को अहम निर्देश दिए। गोरखपुर के गोरखनाथ मंदिर परिसर में हुए इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने साफ कहा कि हर पात्र व्यक्ति का आयुष्मान कार्ड बनना सुनिश्चित किया जाए, ताकि किसी को इलाज के लिए परेशान न होना पड़े।

जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री करीब 200 लोगों से मिले। उन्होंने स्वयं लोगों के प्रार्थना पत्र लेकर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सरकार

हर जरूरतमंद के साथ खड़ी है और किसी भी समस्या का समाधान समयबद्ध और निष्पक्ष तरीके से किया जाएगा। कार्यक्रम में कई लोग गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक सहायता की मांग लेकर पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने उन्हें आश्वस्त किया कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि अस्पताल का इस्टीमेट मिलते ही जरूरतमंदों को

जनता दर्शन में मुख्यमंत्री 200 लोगों से मिले

विवेकाधीन कोष से आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाए।

सीएम योगी ने प्रशासन और पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी शिकायतों का निस्तारण संतोषजनक तरीके से किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी स्तर पर लापरवाही या देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जनता दर्शन के दौरान कुछ महिलाएं अपने बच्चों के साथ आई थीं। मुख्यमंत्री ने बच्चों से बातचीत की, उन्हें चॉकलेट दी और पढ़ाई के लिए प्रेरित किया।

अमरोहा में तांत्रिक बनकर ठगी करने वाला मुठभेड़ में गिरफ्तार

यूनिक समय, अमरोहा। जिले में तांत्रिक बनकर लोगों को ठगने वाले एक शातिर आरोपी को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान अरमान उर्फ काले खां के रूप में हुई है, जो लंबे समय से फरार चल रहा था और कई गंभीर मामलों में वांछित था।

जानकारी के अनुसार, पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि आरोपी सकतपुर नहर पुल के पास मौजूद है। पुलिस ने घेराबंदी की तो आरोपी बाइक से भागने लगा, लेकिन वाहन फिसलने के बाद वह गिर गया। खुद को घिरता देख उसने पुलिस पर फायरिंग कर दी, जिसमें एक पुलिसकर्मी बाल–बाल बच गया। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली आरोपी के पैर में लगी, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी तांत्रिक बनकर लोगों को जमीन

में गढ़ा धन दिलाने का लालच देता था। इसी बहाने वह लोगों से पैसे और आभूषण ठगता था। उस पर एक परिवार की बेटी के साथ दुष्कर्म का भी गंभीर आरोप दर्ज है।

पुलिस ने आरोपी के पास से तमंचा, कारतूस, बिना नंबर की बाइक और मोबाइल बरामद किया है। उसके खिलाफ सम्भल और मुरादाबाद समेत कई जिलों में हत्या, ठगी, अपहरण और अन्य गंभीर धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं।

अखिलेश यादव का आरोप: भाजपा ने पश्चिम बंगाल चुनाव में की धांधली

यूनिक समय, लखनऊ। अखिलेश यादव ने भाजपा पर पश्चिम बंगाल चुनाव में धांधली के गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने दावा किया कि उनके पास सैकड़ों वीडियो और शिकायतों के बंडल मौजूद हैं, जो कथित अनियमितताओं को साबित करते हैं। लखनऊमें पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि कई जगहों पर चुनाव के दौरान गड़बड़ियां हुईं। उन्होंने कुंदरकी और रामपुर उपचुनाव का जिक्र करते हुए इसे "मल्टी लेयर इलेक्शन माफिया" का खेल बताया।

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा चुनावी प्रक्रिया में बेईमानी कर सत्ता बनाए रखने की कोशिश कर रही है। साथ ही पश्चिम बंगाल

के चुनावों का जिक्र करते हुए कहा कि वहां भी वोटों की "शर्मनाक लूट" हुई और प्रशासन का दुरुपयोग किया गया। अखिलेश यादव ने कहा कि 2027 का यूपी विधानसभा चुनाव लोकतंत्र और संविधान को बचाने की बड़ी लड़ाई होगा।

सड़क हादसा: छह वाहन भिड़े, 16 लोग घायल

यूनिक समय, कानपुर। कानपुर में देर रात एक भीषण सड़क हादसे ने हड़कंप मचा दिया। घाटमपुर के पतारा कस्बे में बरातियों से भरी ईको वैन और डंपर की टक्कर के बाद एक के बाद एक छह गाड़ियां आपस में भिड़ गईं। इस हादसे में 16 लोग घायल हो गए, जिनमें कई की हालत गंभीर बताई जा रही है।

जानकारी के मुताबिक, तिलसड़ा मोड़ पर ईको वैन अचानक बंद हो गई। इसी दौरान पीछे से आ रहे डंपर ने वैन को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि पीछे आ रही अन्य गाड़ियां भी आपस में टकराती चली गईं, जिससे बड़ा हादसा हो गया। हादसे के बाद कानपुर–सागर हाईवे पर करीब 20 किलोमीटर लंबा जाम लग गया। सूचना मिलते ही पुलिस

और एनएचआई की टीम मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू किया।

घायलों को तुरंत पतारा सीएचसी ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद 13 लोगों को गंभीर हालत में जिला अस्पताल रेफर किया गया। पुलिस ने क्रेन और जेसीबी की मदद से क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाकर करीब तीन घंटे बाद यातायात बहाल कराया।

छात्रा की गुहार पर हरकत में आया प्रशासन, डीएम पहुंचे गांव

यूनिक समय, लखीमपुर खीरी। लखीमपुर खीरी में एक मासूम छात्रा की अपील ने प्रशासन को तुरंत कार्रवाई के लिए मजबूर कर दिया। कक्षा एक की छात्रा मानवी सिंह ने खराब सड़क को लेकर "डीएम अंकल" से मदद मांगी थी, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। जिलाधिकारी अंजनी कुमार सिंह ने मामले का संज्ञान लेते हुए सलेमपुर गांव का दौरा किया।

उन्होंने सड़क का निरीक्षण किया और खड़ंजा मार्ग की मरम्मत के निर्देश दिए। डीएम ने भरोसा दिलाया कि जल्द ही समस्या का समाधान होगा, जिससे ग्रामीणों और स्कूली बच्चों को राहत मिलेगी।

सट्टे में हारने के बाद युवक ने दी जान

यूनिक समय, झांसी। झांसी से एक बेहद दुखद मामला सामने आया है, जहां आईपीएल सट्टे में लाखों रुपये गंवाने के बाद एक युवक ने आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान 27 वर्षीय अमन भार्गव के रूप में हुई है, जिसने जहर निगलकर अपनी जान दे दी। जानकारी के मुताबिक, अमन सट्टेबाजी के चक्कर में पड़ गया था और करीब तीन लाख रुपये हार गया। हार के बाद लेनदार उसे परेशान करने लगे। घर तक आकर पैसे की मांग करने से वह मानसिक तनाव में रहने लगा था।

बरेली जिम कांड: गुप्त कैमरा, नशीला ड्रिंक और ब्लैकमेलिंग का खुलासा

पुलिस ने दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

यूनिक समय, बरेली। बरेली के सिविल लाइंस इलाके में स्थित एक जिम से चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जिसने लोगों को झकझोर कर रख दिया। जिम संचालक अकरम और उसके भाई आलम पर एक महिला डॉक्टर का दो साल तक यौन शोषण और ब्लैकमेलिंग करने का आरोप लगा है।

पुलिस जांच में सामने आया कि जिम के अंदर एक कमरे में गुप्त कैमरा लगाया गया था। अकरम महिलाओं को बहाने से उस कमरे में ले जाता था, जहां सारी गतिविधियां रिकॉर्ड की जाती थीं। दूसरी

जगह बैठा उसका भाई आलम इन वीडियो को कंट्रोल करता था। बाद में इन्हीं वीडियो के जरिए महिलाओं को ब्लैकमेल किया जाता था। आरोप है कि

आरोपियों ने जिम के अंदर एक कमरे में गुप्त कैमरा लगाया था

अकरम महिला को प्री–वर्कआउट या एनर्जी ड्रिंक के नाम पर नशीला पदार्थ देता था। इससे महिला अचेत हो जाती थी और उसी दौरान उसका शोषण किया जाता था। पीड़िता को जब इसका एहसास हुआ, तब तक आरोपी उसके वीडियो बनाकर उसे धमकाने लगे थे।

पीड़िता से आरोपियों ने पहले 80 हजार रुपये वसूले और बाद में 50 लाख रुपये की मांग की। ऑडियो रिकॉर्डिंग में अकरम महिला को धमकाते हुए और पैसे मांगते हुए भी सुना गया है। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए दोनों भाइयों को गिरफ्तार कर लिया। उनके पास से मोबाइल फोन, आपत्तिजनक सामग्री और कुछ नकदी भी बरामद हुई है। जांच के दौरान आरोपी के फोन से कई अन्य महिलाओं के वीडियो भी मिले हैं। इससे आशंका जताई जा रही है कि यह गिरोह लंबे समय से इस तरह की हरकतों में लिप्त था।

ग्रेटर नोएडा में युवक की गोली मारकर हत्या

यूनिक समय, ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा में शादी समारोह से लौट रहे एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई। यह घटना सूरजपुर थाना क्षेत्र के साकीपुर गांव की है।

जानकारी के अनुसार, मृतक साजन भाटी देर रात करीब 12:30 बजे शादी से घर लौट रहे थे। तभी पहले से घात लगाए आरोपियों ने उन्हें रोककर फायरिंग कर दी। गोली लगने के बाद परिजन उन्हें अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि आरोपी और मृतक के बीच घर के बाहर कूड़ा फेंकने को लेकर पहले से विवाद चल रहा था, जो इस हत्या की वजह बना। पुलिस ने मामले में एक आरोपी को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है, जबकि अन्य की तलाश जारी है। हथियार भी बरामद कर लिया गया है। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है।

भारत-वियतनाम संबंध मजबूत: 13 समझौतों पर हुए हस्ताक्षर

व्यापार से तकनीक तक रिश्तों में आई नई रफ्तार : मोदी

यूनिक समय, नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और और तो लाम के बीच नई दिल्ली स्थित हैदराबाद हाउस में अहम बैठक हुई। इस दौरान दोनों देशों ने 13 महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए और साझेदारी को नए स्तर तक ले जाने का संकल्प लिया।

साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और वियतनाम के रिश्ते तेजी से मजबूत हुए हैं। उन्होंने बताया कि पिछले एक दशक में द्विपक्षीय व्यापार दोगुना होकर लगभग 16 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। उन्होंने यह भी कहा कि दोनों देश अपनी साझेदारी को "आधुनिक व्यापक रणनीतिक साझेदारी" तक ले जा रहे हैं।

पीएम मोदी ने दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक संबंधों का जिक्र करते हुए कहा कि बौद्ध परंपरा दोनों देशों को जोड़ती है। उन्होंने चंपा सभ्यता की पांडुलिपियों को डिजिटल रूप से संरक्षित करने की पहल को भी महत्वपूर्ण बताया, ताकि यह विरासत आने वाली पीढ़ियों तक सुरक्षित रहे। दोनों देशों के बीच हुए समझौते कई अहम क्षेत्रों को कवर करते हैं, जिनमें डिजिटल भुगतान,

हैदराबाद हाउस में ऐतिहासिक बैठक, दोनों देशों ने बढ़ाया रणनीतिक दायरा

स्वास्थ्य, पर्यटन, शिक्षा, संस्कृति और प्रौद्योगिकी शामिल हैं। इसके अलावा, शहरों के बीच सहयोग, लेखा परीक्षा और अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में भी साझेदारी बढ़ाने पर सहमति बनी है। राष्ट्रपति तो लाम के इस भारत दौरे को दोनों देशों के रिश्तों के लिए अहम माना जा रहा है। इससे पहले उनका औपचारिक स्वागत किया गया और कई उच्च स्तरीय बैठकों का आयोजन हुआ।

असम में नई सरकार का रास्ता साफ 12 मई को शपथ ग्रहण की तैयारी

यूनिक समय, नई दिल्ली। असम विधानसभा चुनाव 2026 में एनडीए गठबंधन की बड़ी जीत के बाद राज्य में नई सरकार के गठन की प्रक्रिया तेज हो गई है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने अपने मंत्रिमंडल के साथ राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य को औपचारिक इस्तीफा सौंप दिया है। इसके साथ ही नई सरकार के गठन का रास्ता पूरी तरह साफ हो गया है। सूत्रों के अनुसार, असम में नई सरकार का शपथ ग्रहण 12 मई को हो सकता है। माना जा रहा है कि हिमंत बिस्वा सरमा एक बार फिर मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। हालांकि, अंतिम फैसला भाजपा विधायक दल की बैठक में केंद्रीय पर्यवेक्षकों की मौजूदगी में लिया जाएगा। 126 सदस्यीय विधानसभा में एनडीए गठबंधन ने 102 सीटों पर जीत दर्ज कर मजबूत बहुमत हासिल किया है। राज्य में मतदान 9 अप्रैल को एक चरण में हुआ था, जबकि मतगणना 4 मई को संपन्न हुई। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, राज्यपाल ने सरमा का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है और नई सरकार के गठन तक उन्हें कार्यवाहक मुख्यमंत्री के रूप में काम जारी रखने को कहा है। हिमंत बिस्वा सरमा ने इस जीत को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी आमंत्रित किया गया है। अब सभी की नजरें आगामी शपथ ग्रहण और नए मंत्रिमंडल के गठन पर टिकी हैं।

हीटवेव से निपटने के लिए दिल्ली सरकार का बड़ा कदम

सड़कों पर उतरी सरकार, जरूरतमंद तक पहुंचेगी ठंडक

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली में बढ़ती भीषण गर्मी और हीटवेव के खतरे को देखते हुए सरकार ने राहत के लिए अहम पहल की है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 13 मोबाइल हीट रिलीफ यूनिट्स को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, ताकि लोगों को गर्मी से राहत मिल सके।

इन मोबाइल हीट रिलीफ यूनिट्स के जरिए लोगों को ठंडा और स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही ओआरएस (ओआरएस) के पैकेट बांटे जाएंगे और जरूरत पड़ने पर प्राथमिक उपचार (फर्स्ट एड) की सुविधा भी दी जाएगी। इसके अलावा, तेज धूप से बचाव के लिए कॉटन के गमछे और कैप भी वितरित किए जाएंगे।

सीएम ने हीटवेव से बचाव के लिए एक विशेष "हीट एक्शन प्लान" बुकलेट भी जारी की है। इसमें लोगों को गर्मी से बचने के उपाय बताए गए हैं, ताकि वे खुद को और अपने परिवार को सुरक्षित रख सकें।

मुख्यमंत्री ने नागरिकों से अपील की है कि वे इस भीषण गर्मी में अधिक पानी पिएं, अनावश्यक धूप में निकलने से बचें और अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। किसी भी आपात स्थिति में लोग 112 हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क कर इन मोबाइल यूनिट्स की सहायता प्राप्त कर सकते हैं। दिल्ली सरकार का

रेखा गुप्ता ने 13 मोबाइल हीट रिलीफ यूनिट्स को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

यह कदम हीटवेव के प्रभाव को कम करने और लोगों को राहत पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इससे खासकर सड़क पर काम करने वाले मजदूरों और आम नागरिकों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।

तेज रफ्तार बाइक ने ली मासूम की जान

यूनिक समय, जेवर। यमुना सिटी के जेवर थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक हादसे में पांच वर्षीय बच्ची की मौत हो गई। मुहल्ला खतीवान निवासी फारुख की बेटी शुबाना घर के बाहर खेल रही थी। इसी दौरान वह दौड़ते हुए गली पार करने लगी, तभी तेज रफ्तार बाइक सवार दो युवकों ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे के बाद बाइक सवार भी संतुलन खोकर सड़क पर गिर पड़े। परिजन आनन-फानन में बच्ची को पास के अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पूरी घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, जिससे हादसे की भयावहता साफ दिखाई दे रही है। परिजनों का आरोप है कि बाइक सवार संकरी गली में भी तेज गति से वाहन चला रहे थे, जिससे यह हादसा हुआ। बच्ची की मौत से परिवार में मातम छा गया है और पूरे इलाके में शोक का माहौल है।

पेड़ पर लटके मिले युवती और युवक के शव

यूनिक समय, शाहजहांपुर। उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर जिले में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां शादी से ठीक एक दिन पहले 19 वर्षीय युवती का शव पेड़ से लटका मिला। उसके साथ ही एक युवक का शव भी उसी पेड़ पर फंदे से लटका हुआ पाया गया। इस घटना के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है। मामला परौर थाना क्षेत्र के कुबेरपुर गांव का है। बुधवार को गांव के बाहर खेत में एक पेड़ से दो शव लटके मिलने की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। मृतकों की पहचान नन्ही यादव और सोमेंद्र यादव के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि युवती की शादी गुरुवार को होनी थी

शादी से एक दिन पहले हुई घटना

और घर में तैयारियां चल रही थीं, लेकिन अचानक इस घटना ने खुशियों को मातम में बदल दिया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और गांव में शोक का माहौल है। पुलिस के अनुसार प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का लग रहा है, हालांकि सभी पहलुओं की गहन जांच की जा रही है। अधिकारी घटनास्थल से साक्ष्य जुटा रहे हैं और पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है, ताकि मौत के असली कारणों का पता चल सके।

नौवीं शादी में खुला राज: 'दुल्हन गैंग' ने ऐसे रची ठगी की साजिश

यूनिक समय, नई दिल्ली। महाराष्ट्र के बीड जिले से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां एक युवती ने शादी के नाम पर कई युवकों को ठगने का संगठित खेल रचा। हैरानी की बात यह है कि युवती पहले ही आठ अलग-अलग युवकों से शादी कर चुकी थी, लेकिन इसके बावजूद एजेंटों के एक गिरोह ने उसे नौवीं बार दुल्हन बनाकर एक और युवक को शिकार बना लिया।

मामला उमापूर गांव का है, जहां एक युवक से इस युवती की शादी कराई गई। शादी से पहले उसे कुंवारी बताकर भरोसे में लिया गया और एजेंटों ने इस 'रिश्ते' के नाम पर उससे लाखों रुपये वसूल लिए। शादी के कुछ समय बाद जब युवती के पुराने कारनामों का खुलासा हुआ, तो पीड़ित युवक के होश उड़ गए। जानकारी के मुताबिक, युवती हर बार शादी के बाद कुछ दिन ससुराल में रहती थी और फिर मौका मिलते ही पैसे व कीमती सामान लेकर फरार हो जाती थी। इस पूरे खेल के पीछे एक संगठित गिरोह काम कर रहा था, जो खासतौर पर उन युवकों को निशाना बनाता है जिनकी शादी में दिक्कतें आ रही होती हैं। पीड़ित युवक ने चकलांबा थाने में शिकायत दर्ज कराई है और पुलिस अधीक्षक से मिलकर न्याय की गुहार लगाई है। पुलिस अब इस पूरे गिरोह की तलाश में जुट गई है और मामले की गहराई से जांच की जा रही है। यह घटना न सिर्फ समाज के लिए चेतावनी है, बल्कि यह भी दिखाती है कि शादी जैसे पवित्र रिश्ते का इस्तेमाल कर ठगी करने वाले गिरोह किस तरह सक्रिय हैं।

युद्ध विराम की अपील के बीच कीव पर हमला, 27 की मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच हालात और गंभीर हो गए हैं। यूक्रेन की ओर से एकतरफा युद्धविराम की मांग किए जाने के बावजूद रूस ने कीव पर भीषण हमला कर दिया। इस हमले में 27 लोगों की मौत हो गई, जबकि करीब 120 लोग घायल बताए जा रहे हैं।

यूक्रेनी अधिकारियों के अनुसार, रूस ने आधी रात से दर्जनों ड्रोन और मिसाइलों के जरिए राजधानी कीव को निशाना बनाया। हमलों का यह सिलसिला पूरी रात चलता रहा, जिससे कई रिहायशी इलाकों को भारी नुकसान पहुंचा। वहीं रूस ने दावा किया कि यूक्रेन ने भी युद्धविराम का पालन नहीं किया और उसके ड्रोन हमलों को नाकाम किया गया। दूसरी ओर, यूक्रेन ने भी रूस के कब्जे वाले क्रीमिया क्षेत्र में जवाबी कार्रवाई की। यहां ड्रोन हमले में पांच लोगों की मौत की खबर है। दोनों देशों के बीच हमलों का यह सिलसिला लगातार जारी है, जिससे हालात और तनावपूर्ण होते जा रहे हैं।

संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक, इस युद्ध में अब तक 15 हजार से ज्यादा नागरिकों की जान जा चुकी है। करीब 1250 किलोमीटर लंबी फ्रंटलाइन पर दोनों देशों के बीच संघर्ष जारी है। यूरोपीय देशों ने यूक्रेन के युद्धविराम प्रस्ताव का स्वागत किया था, लेकिन रूस की कार्रवाई से शांति की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है। फिलहाल, कूटनीतिक प्रयास नाकाम नजर आ रहे हैं और युद्ध खत्म होने के आसार कम दिख रहे हैं।

पाकिस्तान को बड़ा झटका: अमेरिका ने पेशावर कांसुलेट बंद करने का लिया फैसला

सुरक्षा पर सवाल, अमेरिका ने उठाया बड़ा कदम

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमेरिका ने पाकिस्तान को बड़ा कूटनीतिक झटका देते हुए पेशावर स्थित अपने वाणिज्य दूतावास (कांसुलेट) को बंद करने का ऐलान कर दिया है। अमेरिकी विदेश विभाग ने यह निर्णय अपने राजनयिक कर्मियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया है।

अमेरिका का कहना है कि पाकिस्तान पेशावर में स्थित कांसुलेट की पर्याप्त सुरक्षा सुनिश्चित करने में असफल रहा है। ऐसे में कर्मचारियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए दूतावास को चरणबद्ध तरीके से बंद किया जा रहा है। इस फैसले के बाद अब पेशावर में अमेरिकी उपस्थिति खत्म हो जाएगी। विदेश विभाग के प्रवक्ता ने स्पष्ट किया कि यह कदम सुरक्षा और संसाधनों के बेहतर प्रबंधन के तहत उठाया गया है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि इससे पाकिस्तान के साथ अमेरिका के संबंधों या नीतिगत प्राथमिकताओं पर कोई असर नहीं पड़ेगा। कांसुलेट बंद होने के बाद खैबर पख्तूनख्वा प्रांत से जुड़े सभी राजनयिक और प्रशासनिक कार्य अब इस्लामाबाद स्थित अमेरिकी दूतावास से संचालित किए जाएंगे।

अमेरिका ने भरोसा दिलाया है कि वह क्षेत्र के लोगों और अधिकारियों के साथ आर्थिक सहयोग, सुरक्षा और अन्य मुद्दों पर जुड़ा रहेगा। विशेषज्ञों के अनुसार, यह फैसला अमेरिका की सुरक्षा चिंताओं को दर्शाता है और पाकिस्तान के लिए एक कड़ा संदेश भी है। इस कदम से दोनों देशों के संबंधों पर क्या असर पड़ेगा, इस पर सभी की नजरें टिकी हैं।

कृष्ण लोक सोसायटी में भीषण गर्मी का सितम

डायरिया को लेकर कई परिवार बैचेन

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। थाना जैंत क्षेत्र के अंतर्गत दिल्ली–आगरा नेशनल हाईवे पर स्थित श्री कृष्ण लोक सोसायटी से एक बड़ी लापरवाही का मामला सामने आया है, जहाँ दूषित पानी पीने से एक दर्जन से अधिक लोग डायरिया का शिकार हो गए हैं।

सोसायटी के फ्लैटों में रह रहे बच्चों और बुजुर्गों समेत कई लोग अचानक पेट दर्द और लूज मोशन की चपेट में आ गए। देखते ही देखते बीमारों की संख्या बढ़ने लगी, जिससे पूरी सोसायटी में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही स्वास्थ्य विभाग की टीम सक्रिय हो गई। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राल के

कृष्ण लोक सोसायटी के लोग गुस्से का इजहार करते हुए।

प्रभारी अपनी टीम के साथ मौके पर पहुँचे, डॉक्टरों ने बीमार ग्रस्त लोगों का परीक्षण कर उन्हें दवाइयां वितरित कीं और गंभीर रूप से बीमार लोगों को आवश्यक परामर्श दिया। सोसायटी के निवासियों का गुस्सा सातवें आसमान पर दिखाई दिया। स्थानीय लोगों ने सोसायटी के अध्यक्ष और सेक्रेटरी पर सीधा प्रहार करते हुए गंभीर आरोप लगाए हैं। पानी की टंकियों में कीड़े और काई जमा होने से पानी पूरी तरह दूषित हो चुका है। बार–बार शिकायत के बाद भी मेंटेनेंस टीम द्वारा कोई ठोस कदम नहीं

स्वास्थ्य टीम ने संभाली स्थिति

उठाया गया।

फिलहाल स्वास्थ्य विभाग की टीम स्थिति पर नजर बनाए हुए है और पानी के नमूने जांच के लिए भेजे जा रहे हैं। कॉलोनी वासियों में भारी आक्रोश व्याप्त है और उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही जल आपूर्ति और स्वच्छता की व्यवस्था नहीं सुधारी गई, तो वे उग्र आंदोलन को बाध्य होंगे। डिप्टी सीएमओ डॉ. गोपाल गर्ग ने बताया कि मरीजों का उपचार किया जा रहा है और संक्रमण के कारणों की जांच जारी है।

हथियारों से भयभीत कर जमीन पर कब्जा करने का वीडियो वायरल

वायरल वीडियो में बंदूक लहरा कर दे रहा धमकी

यूनिक समय, गोवर्धन। गोवर्धन थाने की पल्सो चौकी इलाके का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में नगला धन्ना गांव में एक जमीन पर जबरन कब्जे को लेकर विवाद सामने आया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, रामवीर नामक व्यक्ति द्वारा गोविंद राजू के साथ मिलकर एक पीड़ित परिवार की जमीन पर अवैध कब्जा कर वीडियो में व्यक्ति हाथ में बंदूक लिए हुए दिखाई दे रहा है तथा पीड़ित परिवार को जान से मारने की धमकी देता हुआ नजर आ रहा है।

हथियार दिखाकर लोगों को भयभीत कर जमीन पर कब्जा करने का प्रयास करते लोग।

वायरल वीडियो से क्षेत्र में दहशत का माहौल है। वहीं, वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस में भी हड़कंप मच गया है। साथ ही पीड़ित परिवार भय के साए में जीने को मजबूर है।

जमीन पर कब्जे को फायरिंग करने वालों को कोर्ट ने दी सजा

छह अभियुक्तों को आठ–आठ साल की कैद

चार–चार हजार का लगाया जुर्माना

हमलावरों की गोली से एक बच्चा भी हुआ था घायल

यूनिक समय, मथुरा। अपरसत्र न्यायालय (संख्या–6) के अपर सत्र न्यायाधीश नीलम ढाका ने जमीन पर कब्जा करने के लिए हमलावरों द्वारा गोली मारकर कई लोगों को घायल करने के मामले में छह लोगों को आठ–आठ साल की सजा और चार–चार हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। मुकदमे की पैरवी करने वाले सहायक शासकीय अधिवक्ता भगत आर्य ने बताया कि थाना कोसीकलां के गांव खरौट में 24 अगस्त 2014 को समय करीब साढ़े छह बजे लीलाधर, बनवारी पुत्र गण रामपाल व हेमराज राजकुमार पुत्रगण धर्मपाल, शिवचरन अर्जुन पुत्रगण जालचंद व शिवराम उर्फ भारत पुत्र ठाकुरलाल निवासी गांव खरौट अवैध हथियार आदि से लैस होकर आए और जमीन पर जबरन कब्जा करने का प्रयास करने लगे यह देख कर दूसरे पक्ष के उदयचंद भी मौके पर पहुंच गए। उदयचंद पक्ष के लोगों ने जमीन पर कब्जा करने से इन लोगों से मना किया इस पर हमलावरों ने गाली गलौच करते हुए फायरिंग कर दी। मुकदमे की सुनवाई अपर सत्र न्यायाधीश नीलम ढाका की अदालत में हुई। न्यायाधीश ने इस मामले में अभियुक्त लीलाधर, बनवारी, राजकुमार, हेमराज, अर्जुन व शिवचरन को उक्त सजा से दंडित किया।

वशीकरण करने वाले गिरोह का आतंक

महिलाओं को झांसा देकर कर रहे है ठगी की वारदात

आधा दर्जन से अधिक महिलाएं हो चुकी हैं शिकार

यूनिक समय, मथुरा। शहर के धौली प्याऊ क्षेत्र में इन दोनों महिलाओं के साथ ठगी की वारदातें तेजी से बढ़ोत्तरी हो रही है। महिलाओं के साथ आधा दर्जन से अधिक ठगी की घटनाएं हो चुकी हैं। इसके चलते इलाके में दहशत का माहौल है।

इलाके में 25 अप्रैल को रमन मिष्ठान भंडार पर दही लेने के लिए गई तिवारी बाड़ा की रहने वाली जीतन को रास्ते में दो लोग आते हुए मिले उसे इन लोगों ने बातों में उलझाया और वशीकरण कर कानों के कुंडल उतरवा लिए और उसे रेलवे स्टेशन के पास छोड़ गए। महिला के साथ हुई घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो चुकी है। कल शाम की दोपहर सब्जी लेने गई सानिमा के साथ भी एक महिला ने ठीक इसी तरीके से घटना को अंजाम दिया और सनिमा के कानों के कुंडल अपने वश में कर छीन लिए और उसे हाईवे के पास छोड़कर चले गए। मालीपाड़ा की रहने वाली एक महिला और चुंगी गली की रहने वाली एक महिला और धौली प्याऊ क्षेत्र में अलग–अलग जगह पर रहने वाली छह महिलाओं के साथ इसी तरीके इस गैंग द्वारा वारदात की जा चुकी है। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि जब से यहां कबाड़े का गोदम खुला है कुछ महिला घर पर खाना साड़ी मांगने आती है। इसके बाद इस तरह की घटनाएं बढ़ रही है।

निलंबित राशन दुकान की बहाली को लेकर विवाद गहराया

ग्रामीणों ने लगाए धांधली के आरोप, पारदर्शी प्रक्रिया की उठाई मांग

यूनिक समय, गोवर्धन। गोवर्धन क्षेत्र के नैनुपट्टी स्थित माढ़ा गांव में निलंबित राशन दुकान की बहाली को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि पूर्व में अनियमितताओं के चलते निरस्त की गई राशन दुकान को दोबारा बहाल कराने के लिए कोटेदार द्वारा अधिकारियों के साथ गुप्त बैठक की गई। ग्रामीणों के अनुसार, माढ़ा गांव के कोटेदार सत्यवीर सिंह की राशन दुकान घटतौली और अन्य अनियमितताओं के कारण पहले ही निरस्त कर दी गई थी। इसकी पुष्टि आपूर्ति अधिकारी सिम्मी जायसवाल द्वारा भी की जा चुकी है। तब से यह दुकान बंद पड़ी है।

बताया जा रहा है कि 30 अप्रैल को एक आधिकारिक टीम जांच के लिए गांव पहुंची थी। इसी दौरान पास के टुंडा गांव स्थित एक मैरिज होम में कोटेदार द्वारा बैठक आयोजित की गई। ग्रामीणों का आरोप है कि इस बैठक में केवल कोटेदार के समर्थकों को ही बुलाया गया, जबकि शिकायतकर्ता पक्ष को जानबूझकर दूर रखा गया। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि जांच के दौरान तैयार की गई सूची में कई मृतकों के नाम शामिल हैं और उनके स्थान पर अन्य लोगों से अंगूठे लगवाए गए हैं, जो गंभीर अनियमितता की ओर संकेत करता है। ग्रामीणों का कहना है कि राशन दुकान का आवंटन पूरी पारदर्शिता के साथ खुली ग्राम सभा में किया जाना चाहिए। स्थानीय निवासी योगेंद्र सिंह ने कहा कि पहले भी राशन दुकान में गड़बड़ी की शिकायत की गई थी, जिसके बाद दुकान निरस्त हुई थी। अब गुप्त तरीके से बैठक कर उसी व्यक्ति को फिर से बहाल करने की कोशिश की जा रही है। वहीं, जीतू उर्फ जितेंद्र ने सवाल उठाते हुए कहा कि यदि जांच निष्पक्ष है तो उसे छिपाया क्यों जा रहा है और शिकायतकर्ताओं को क्यों नहीं बुलाया गया। उन्होंने आशंका जताई कि फिर से उसी कोटेदार को लाभ पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

यमुना एक्सप्रेस–वे पर कार ट्रक से टकराई

कार सवार तीन लोग हुए घायल

यूनिक समय, सुरीर। नौहझील थाना क्षेत्र में यमुना एक्सप्रेस–वे पर एक सड़क हादसा हो गया। नींद आने पर आगरा से नोएडा की ओर जा रही कार आगे चल रहे ट्रक में पीछे से टकरा गई। दुर्घटना में कार सवार तीन लोग घायल हो गए।

मिली जानकारी के अनुसार यमुना एक्सप्रेस–वे के किलोमीटर संख्या 61:300 पर कार आगे चला रहे ट्रक में पीछे से टकरा गई। कार चला रहे विकास कुमार निवासी प्रयागराज ने बताया कि लंबे सफर के दौरान उन्हें नींद की झपकी आ गई, जिसके चलते उनकी कार अनियंत्रित होकर आगे चल रहे ट्रक से जा टकराई। दुर्घटना में विकास कुमार के साथ कार में सवार रेशमा कुमारी और अंकित कुमार घायल हो गए। सूचना मिलते चौकी इंचार्ज बाजना कट हरेंद्र सिंह तोमर ने मौके पर पहुंच कर घायलों को तुरंत उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नौहझील भिजवाया।

याचिका समिति की बैठक आठ को

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश विधान परिषद की याचिका समिति के सभापति अशोक अग्रवाल की अध्यक्षता में आठ मई को कलेक्ट्रेट सभागार में विभिन्न विभागों की समीक्षा बैठक की जाएगी।

बरेली हाईवे पर कार सवार को गोली मारी

लूट की आशंका, पुलिस जांच में जुटी

यूनिक समय, मथुरा। थाना महावन क्षेत्र स्थित बरेली हाईवे पर संदिग्ध परिस्थितियों में एक कार सवार युवक को अज्ञात ने गोली मार कर घायल कर दिया। इस बात की चर्चा है कि युवक के साथ लूट की वारदत हुई है। पुलिस घटना की जानकारी करने में जुटी है।

आज प्रातः एक कार सवार युवक को बरेली हाईवे पर थाना महावन क्षेत्र में बदमाशों ने गोली मार दी। गोली लगने से घायल हुए युवक को प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया था। घटना की जानकारी लगने पर पुलिस इलाके के सीसी टीवी केमरों की फुटेज खंगाल रही है। पुलिस का मानना है कि मौके पर जांच करने के बाद लूट जैसी घटना के होने की कोई जानकारी नहीं लगी। पुलिस गोली मारने वाले को तलाश कर रही है।

वृंदावन की समस्याओं को लेकर कांग्रेस ने भरी हुंकार

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृन्दावन। कांग्रेस ने वृंदावन की जन समस्याओं को लेकर चुंगी चौराहा पर आक्रोश कार्यक्रम का आयोजन किया। इसमें स्मार्ट मीटर समस्या, यमुना प्रदूषण, जाम की समस्या, बंदरों की समस्या, गंदगी की समस्या, भ्रष्टाचार, ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर कॉरिडोर और अधिग्रहण जैसे ज्वलंत जन मुद्दों को उठाया।

पूर्व सीएलपी लीडर प्रदीप माथुर ने कहा कि यह सरकार सभी जनहित के कार्यों को करने में विफल साबित हुई है। चाहे सांसद हो या विधायक हो या महापौर हो इन सबने जनता की गाड़ी कमाई को लूटने के सिवाय कुछ नहीं किया है, इन सबके जनता के निमित दिए गये हजारों करोड़ रुपये भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गये और धरातल पर विकास शून्य दिखाई दिया।

वृंदावन स्थित चुंगी चौराहा पर कांग्रेस कार्यकर्ता समस्याओं को लेकर हुंकार भरते हुए।

उन्होंने कहा कि अगर ऐसी स्थिति रहती है तो कांग्रेस व्यापारियों के साथ मिलकर वृंदावन बंद का आह्वान किया जाएगा।

महानगर कांग्रेस अध्यक्ष यतेंद्र मुकदम ने कहा कि स्थानीय प्रशासन ने जिस तरीके से हमको पुलिस के जरिये जनता से जुड़े हुए मुद्दों को उठाने से जबरन रोकना चाहा है और हमारे साथ दुश्मनों जैसा व्यवहार किया है उससे साफ साफ सिद्ध होता है कि ये सरकार लोकतंत्र की हत्या करती है। कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष सोहन सिंह सिसोदिया ने कहा कि सरकार ने जनता से लम्बे लम्बे वादे तो किये पर सरकार एक भी वादा निभाने में सफल नहीं रही है।

महानगर कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह सिसोदिया, पूर्व नगर अध्यक्ष ब्रजेश गली वाला, नगर अध्यक्ष चंद्रमोहन शर्मा, देहात अध्यक्ष चंद्रमोहन जायसवाल, ठाकुर संग्राम सिंह, अलोक शर्मा, महेश गौतम, महेश शर्मा, राहुल शुक्ला, वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजय शर्मा, आशीष अरोड़ा, बंटी गौतम, अनूप निषाद, रामबाबू शर्मा, पिंकू गौतम, वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्वेता गोस्वामी, शिखा चौधरी, महिला कांग्रेस की जिला अध्यक्ष सिम्मी बेगम, कमलेश भारद्वाज, दामोदर स्वामी, जीतू सिसोदिया, कुलदीप गौतम, शुभम बंसल, राहुल अरोड़ा, युगलबिहारी शर्मा, राहुल चतुर्वेदी, राहुल मुकदम आदि सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे। संचालन रचनात्मक कांग्रेस के जिला अध्यक्ष दीपक पाराशर ने किया।

चोरी का सामान व तमंचा बरामद

यूनिक समय मथुरा। मांट पुलिस ने भी चोरी के मामले में वंछित चल रहे एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी का माल बरामद किया है। पुलिस ने गांव धुंधीनगर थाना खेर जिला अलीगढ़ निवासी अभियुक्त रमेश्वर को देवराह बाबा मंदिर से पहले तिराहे से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी के मोबाइल, चार्जर, 620 रुपये की नकदी और देशी तमंचा कारतूस बरामद किए हैं।

160 ग्राम नशीले पदार्थ के साथ दो गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन पुलिस ने दो अभियुक्तों को 160 ग्राम नशीला पदार्थ रखने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस ने चेकिंग के दौरान अभियुक्त नारायण निवासी राजापुरी रोड विश्वास पार्क उत्तम नगर जिला दक्षिणी पश्चिमी दिल्ली व भारत निवीस गौर नगर थाना वृंदावन को नाथू स्वीट्स तिराहे से रेलवे लाइन रेलवे क्रॉसिंग अमरनाथ धाम आश्रम के समीप से गिरफ्तार किया है।